साल 5 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-6 | अंक-7 फरवरी-2023 पृष्ठ-28 मूल्य : ₹ 20.00

Happy Holi 2023

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Raj Blocks

Since-1977

OFFSET PRINTERS

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head • Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender • Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur Ph.: 0141-4022538
Mob: 9414052736 • 9928910068

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
		सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056, राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044**, जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ट संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ट संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रशीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

हिंदू विवाह एक पवित्र बंधन व धार्मिक संस्कार है न कि भोगलिप्सा का साधन। इसमें अंत: शुद्धि होती है और शुद्ध अंत:करण से ही दांपत्य जीवन सुखमय की नींव रखी जाती है। दोनों पक्ष की सहमति, वैदिक रीति तथा नियमों से सुयोग्य वर से कन्या का विवाह करना 'ब्रह्म विवाह' कहलाता है।

महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन (CEDAW) संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के अनुच्छेद 16 और हिंदू विवाह अधिनियम1955, बाल विवाह से सुरक्षा के अधिकार को मान्यता देता है। लडकियों की 18 वर्ष तथा लडकों की शादी 21 वर्ष से पहले करना बाल विवाह होता है, जो निषेध है।

बीते दिनों केरल उच्च न्यायालय की इस टिप्पणी ने सारे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा कि नई पीढ़ी विवाह को बुराई के रूप में देखती है और आनंद से जीने के लिए, इससे बचना चाहती है। लिव इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ रहा है। यह चिंताजनक है जो स्वाभाविक भी है और इसका प्रभाव सामाजिक संरचना पर निश्चय ही पड़ेगा।

विवाह भावनात्मक एवं मानसिक संबलता का पर्याय है। वैवाहिक संबंधों की सबसे बड़ी खूबसूरती अंत निर्भरता है, जो उसके स्थायित्व का मूल तत्व है। दंपति अपनी दैहिक, भावनात्मक एवं भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। वर्तमान में दुर्भाग्यवश विवाहित जोड़ों में से अधिकतर स्वयं की विचारधारा, मूल्य और जीवन जीने के तरीकों को श्रेष्ठ मानते हुए अपने साथी के प्रति हीन भावना रख रहे है और अपने मनोनुकूल जीवन जीने के लिए विवश कर रहे है। इससे पारिवारिक रिश्तों में संघर्ष का आरंभ होता है। दांपत्य जीवन में दूसरे व्यक्ति की इच्छाओं और आवश्यकताओं पर ध्यान नहीं देना भी परिवार के टूटने का एक बड़ा कारण हो सकता है। अपनी अंतहीन भौतिक इच्छाओं की पूर्ति के पीछे भागती युवा पीढ़ी एक दूसरे की भावनाओं को समझने हेतु सकारात्मक वार्तालाप का अभाव संबंध विच्छेद का एक बड़ा कारण बन सकता है। दो अलग -अलग पारिवारिक पृष्ठभूमि से आए लोगों के मध्य विचारों का टकराव स्वाभाविक है। परंतु बीते कुछ वर्षों में वैवाहिक समस्याओं को हल करने में पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक संस्थाओं द्वारा उचित सहयोग नहीं मिलने के कारण, तलाक के एक स्वीकृत विकल्प के रूप में उभरना, समझौते के हर रास्ते को बंद कर रहा है। तलाक एक आखिरी पड़ाव है। समाज में ऐसी सामाजिक संस्थाएं होनी चाहिए जो नव दंपतियों की शादी के पश्चात उनका रजिस्ट्रेशन करे। समय-समय पर उनसे वार्तालाप करें, सेमिनार आयोजित करें, ऑनलाइन मीटिंग व ग्रुप डिस्कशन आदि कर उनकी समस्याओं का समाधान करें ताकि शादी के पवित्र बंधन का आपसी मधुर संबंधों के साथ सामाजिकरण हो सकें। सामाजिकरण की प्रथम संस्था परिवार है जहां व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला रखी जाती है। हमें अपने परिवार में बच्चों का सनातन धर्म की मान्यताओं अनुसार ही व्यक्तित्व निर्माण करना चाहिए। खून के रिश्तों वाले परिवारों (चाचा, मामा, ताऊ आदि) के मुखियाओं के मध्य मधुर संबंध के साथ समय-समय पर वार्तालाप होते रहना चाहिए ताकि एक दूसरे परिवार के बीच उत्पन्न समस्याओं का निदान हो सके। युवा पीढ़ियों को विवाह की आवश्यकता और उपयोगिता हेतु समझा कर उन्हें परिवार की महत्ता पर बल देना चाहिए ताकि समाज की सामाजिक संरचना सुदृढ़ हो सके। जिससे दाम्पत्य जीवन व परिवारों में माधुर्य बना रहे। तब ही परिवार व समाज उन्नति के पथ पर निर्बाध रूप से अग्रसर होगा। **सभी पाठकों को होली की हार्दिक बधाई।**

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विशिष्ठ संरक्षक : श्री शिवदयाल धुंधारिया	4
कुमावत इंडिया पत्रिका की अपील	4
121 फीट ऊँची स्वर्ण आवरण चढ़ी शिव प्रतिमा का अनावण	5
मूर्तिकार मातुराम वर्मा गणतंत्र दिवस पर सम्मानित	5
सुमन एवं विकास बने सीए, JEE-2023 में समाज प्रतिभाओं द्वार ा उत्कृष्ट प्रदर्शन	6
अब शादी से भवय हो रहा है 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ का जश्न	6
भाजपा ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्षों की घोषणा	7
विजय कुमावत कांग्रेस के किसान मार्ग ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्ति	7
राजेश कुमावत बने जीएसटी इंस्पेक्टर	7
सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न	8
एक कैरेट के मोती पर नटराज पेंसिल की नोक पर उकेरे महाकाल	9
हेमंत कुमावत ने ईमानदारी का परिचय दिया	9
अजब-गजब : मैना रिंकी की धूमधाम से हुई तोते मिंटू से शादी	9
दुर्गा कुमावत ने पॉवर लिफ्टिंग में जीता रजत	9
श्याम नगर मंडल ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष गणेश कुमावत ने की कार्यकारणी की घोषणा	9
चित्तौड़गढ़ में कुमावत समाज के छात्रावास का शिलान्यास हुआ	10
शशि कुमार ने 4×400 रिले दौड़ में कांस्य पदक जीता	10
राजपुरोहित समाज द्वारा अग्रगामी निर्णय, बहादुरी की मिशाल : सुरेश कुमावत	10
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस : 8 मार्च	11
काव्यों में फाल्गुन व होली	12
सबसे बड़ा धर्मात्मा कौन ?	12
आधुनिकता की भेंट चढ़ी फागुन की मस्ती: समय के साथ बदल गई होली	13
रसिया, रंगों की चुनरी	14
होली के रंग14	
भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता, स्नेह व प्रेम का त्यौहार है होली	15
होली के रंग-सबके संग	16
लागै कोनी फागण छै....	16
खेल प्रतियोगिता का आयोजन	17
नारियल-केसर बर्फी	17
राजस्थान आठवीं बोर्ड परीक्षा का टाइमटेबल जारी	17
श्री कुम्बानन्दाचार्यजी की मूर्ति की प्रतिष्ठा	17
शनि के प्रभावशाली उपाय	18
विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित	19
विशिष्ठ संरक्षक/श्रद्धांजलि	20
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	21
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	22
बाल निवास जयपुर में मनाया गणतंत्र दिवस, मोहनलाल कुमावत द्वारा झंडारोहण	23
पत्रकार सुरेश कुमावत नेमीवाल सम्मानित, जीतू कुमावत सांवेर कांग्रेस अध्यक्ष	24
कैलाश घोड़ावड़ की तत्परताको सलाम, अध्यापिका विमाल ने ट्यूबवेल खुदवाया	24
भन्दे बालाजी में 19वां सामूहिक विवाह, सरकारी स्कूल में स्टेशनरी वितरण	25
आर्टिस्ट विजय वर्मा को मास्टर अवार्ड, गौशाला को गौकाष्ट मशीन भेंट	25
कर्तव्य पथ पर मनाया 74वां गणतंत्र दिवस	26
श्रद्धांजलि विज्ञापन	26

विशिष्ठ संरक्षक

श्री शिवदयाल धुंधारिया

पुत्र स्व. श्री भागीरथ प्रसाद
86, भगवान नगर 11, टोडी, हरमाड़ा, सीकर रोड, जयपुर-302013 मो. : 9460186875

ये मूलत: ग्राम नींदड के निवासी हैं। इनके पिता पीडब्ल्यूडी में मिस्त्री के पद पर सेवारत थे। इनका विवाह चौथी देवी बारावाल नि. चौमूं (पुत्री श्री ईश्वर जी बारवाल) से हुआ है। आपके पुत्र शशिकांत एवं जुगल किशोर पशुआहार फैक्ट्री 'मंगलम उद्योग' संचालित कर रहे हैं। आप कुमावत क्षत्रिय महासभा के सहायक कोषाध्यक्ष हैं तथा कुमावत समाज नींदड़ इकाई के अध्यक्ष भी है। आप मृदु स्वभाव के हैं तथा सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रसर रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की अपील

फूलों एवं आर्गेनिक गुलाल से खेलें होली

रंगों के त्योहार होली का सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। बाजार जहां तरह-तरह के रंग, पिचकारी और व्यंजनों से सज चुके हैं, वहीं घरों में भी होली के लिए चिप्स पापड़ की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बच्चों से लेकर युवा और बुजुर्ग हर कोई इसके उमंग में सराबोर हो जाता है।

होली को शांति सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाए। ऐसा कोई कार्य न करे जिससे किसी को ठेस पहुंचे। होलिका दहन में पेड़ न जलाये तथा गोकाष्ठ् का उपयोग करें। होली में रंगो के स्थान पर फूलों एवं आर्गेनिक गुलाल का उपयोग करे तथा पानी को कम बर्बाद करें। पानी के गुब्बारों का उपयोग कतई नहीं करें। नकली व मिलावटी मिठाइयों की होली के पर्व पर भरमार रहती है। इनकी खरीददारी करते समय सावधानी एवं सतर्कता बरतें। ये हंसी-खुशी कहीं हमारे लिए तकलीफदेय नहीं बन जाये। कोशिश करें मिठाईयां पर ही तैयार करें नकली मावे की बाजार में भरमार रहती है, मावा खरीदने से बचें। ऑर्गेनिक गुलाल या फूलों से होली खेलें। बच्चों को मस्ती करने दें। होली जैसे त्यौहार के दिन बच्चे रोकने से रुकते नहीं हैं, ऐसे में बच्चों का ख्याल रखें। हो सके तो गुलाल से सूखी होली खेलें।

होली पर्व पर 'कुमावत इंडिया ' पत्रिका परिवार की ओर से आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

-**रमेश गैदर,** अध्यक्ष, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

121 फीट ऊंची स्वर्ण आवरण चढ़ी शिव प्रतिमा का अनावरण

मातुराम कार्यशाला में श्री नरेश कुमावत द्वारा निर्मित 24 कैरेट गोल्ड प्लेटेड 121 फीट ऊंची दुनिया की पहली शिव जी की प्रतिमा का अनावरण महाशिवरात्रि के पावन पर्व 18 फरवरी 2023 को वड़ोदरा के ख्यात सूरसागर सरोवर, गुजरात के मध्य में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल द्वारा लोकार्पण किया गया है। इस शिव प्रतिमा पर स्वर्ण आवरण चढ़ाने के काम में 3 साल लगे हैं तथा 12 करोड़ रुपए की लागत आई है। श्री नरेश कुमावत का यह अनूठा काम फिर एक बार कुमावत समाज की ख्याति को बढ़ाने का प्रयास है। जिसके लिए श्री नरेश कुमावत को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

मूर्तिकार मातुराम वर्मा गणतंत्र दिवस पर सम्मानित उनके नाम से मार्ग का नामकरण

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय झुंझुनू में कला एवं शिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मातुराम वर्मा मूर्तिकार को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्रीमती ममता भूपेश थीं। विशेष अतिथि अतिथि जिला कलेक्टर ने मातुराम मुर्तिकर की प्रशंसा में कहा कि इन्होंने भारत और 60 से अधिक देशों में भारतीय संस्कृति के उत्थान में योगदान दिया है। श्री मातुराम को विशाल मूर्तियों के निर्माण के लिए जाना जाता है जिन्होंने हाल ही में अपने बेटे नरेश कुमावत के सहयोग से नाथद्वारा-उदयपुर हाईवे पर 369 फीट की शिव प्रतिमा बनाई है। श्री मातुराम मूर्तिकार को सरकार और सामाजिक संगठनों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

नगर पालिका पिलानी ने मातुराम के नाम से सड़क का नामकरण किया : नगर पालिका, पिलानी ने प्रसिद्ध विभुतियों के नाम से पिलानी की सड़कों का नामकरण करने का प्रस्ताव पारित किया है। इसके तहत लोहारू रोड से गोवर्धन नाईक के घर तक के मार्ग का नाम '**मूर्तिकार मातुराम मार्ग**' करने का प्रस्ताव भी है।

कुमावत समाज की विभूति श्री मातुराम वर्मा को यह सम्मान देना उनके कार्यों को रेखांकित करने की दिशा उठाया गया सही कदम है। इनके द्वारा देश-विदेश में विशाल मूर्तियों का निर्माण किया गया है।

उन्होंने पिलानी और मानेसर (गुड़गांव) में बेरोजगार युवा प्रतिभाओं और भविष्य के कलाकारों के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है।

श्री मातुराम वर्मा को यह सम्मान मिलने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

कार्तिकेय की सांसद नवनीत राणा से परियोजना पर चर्चा

5 फरवरी 2023 को- आर्किटेक्ट कार्तिकेय (प्रसिद्ध मूर्तिकार श्री मातुराम के पौत्र) ने नई दिल्ली में एक परियोजना पर नवनीत राणा (सांसद और दक्षिण की पूर्व फिल्म स्टार) से मुलाकात कर चर्चा की।

सुमन एवं विकास बने सी.ए. कुमावत बनी सीए

हिंगोनिया कस्बे की **सुमन कुमावत** का सीए में चयन होने पर कस्बे एवं समाज में खुशी का माहौल है। सुमन एस.आई. स्कूल हिंगोनिया की छात्रा रही है जिसके निदेशक एस.एल. कुमावत ने उन्हें बुलाकर सम्मानित किया। उनका कहना है कि जज्बे, जोश और जुनून से मिलती है संस्कारित सफलता। सुमन कुमावत ने बताया कि गुरुओं के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से वह प्रतिदिन 16 घंटे पढ़ाई करती थी तथा अपने लक्ष्य को ध्यान रखते हुए मेहनत कर यह सफलता हासिल हुई है।

विकास कुमावत भी सी ए बने हैं। दोनों ने सी.ए. की कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

सुमन कुमावत एवं विकास कुमावत के सी.ए. बनने से समाज के युवक-युवतियां निःसन्देह प्रेरित होंगे। दोनों को सी.ए. बनने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

JEE-2023 में समाज प्रतिभाओं द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन

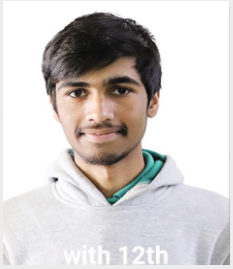

दिक्षान्त कुमावत पुत्र श्री भागचन्द कुमावत छापोला ने JEE-2023 में प्रथम प्रयास में 99.45% अंक प्राप्त किए हैं। ये डीएवी स्कूल जयपुर के छात्र हैं। इन्होंने एनडीए लिखित परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। इनके कक्षा 10 में 91 प्रतिशत अंक थे। इन्होंने नियमित अध्ययन को सफलता का राज बताया है।

तेजस्वी कुमावत पुत्र श्री राकेश कुमार कुमावत ने JEE-2023 में 99.27 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। यह उनकी मेहनत व कठिन परिश्रम का परिणाम है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दोनों प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई।

अब 'शादी से भव्य' हो रहा है '25वीं वैवाहिक वर्षगांठ का जश्न': धूमधाम से मनाई चेतन कुमावत ने 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ

शादी की 25वीं और 50वीं सालगिरह को अब भव्यता के साथ मनाने का ट्रेंड धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इसे मनाया पहले भी जाता रहा है लेकिन अब इसे पारिवारिक समारोह से निकालकर एक बड़े समारोह में तब्दील किया जा रहा है। शादी की 25वीं या 50वीं सालगिरह मनाने के लिए अब बाकायदा मैरिज हॉल/होटल बुक कराए जाते हैं। बैंड, बाजा, घोड़ी, बग्घी के साथ बारात निकाली जाती है। ऐसा ही नजारा देखने को मिला चेतन कुमावत समाजसेवी, भामाशाह व जिलाध्येक्ष ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर व रेनु कुमावत की 25वीं वैवाहिक सालगिरह के अवसर पर।

एक दिन पहले हल्दी और मेहंदी की रस्में निभाई गई साथ ही महिला संगीत का आयोजन भी किया गया। सुखद दाम्पत्य जीवन के 25वीं स्वर्णिम शादी की वर्षगांठ 'होटल होली डे इन' में पंजाबी ढोल व बैंड बाजों की सुमधुर धुन एवं मोहन कुमार बालोदिया, रश्मि बालोदिया एवं राकेश कुमार के गीतों की संगम बेला में समाज के गणमान्य बन्धु, भाजपा के पदाधिकारियों, परिजनों एवं समाजजनों के साथ धूमधाम से मनाई गई। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने भी चेतन कुमावत व रेनु कुमावत को गाने के माध्यम से शुभकामनाएं दी।

चेतन कुमावत के सुपुत्र तनुज कुमावत ने कहा कि पैरेंट्स की खुशी के लिए 25वीं सालगिरह पर हमने उनकी फिर से रिंग सेरेमनी व शादी कराई। उसने कहा कि पैरेंट्स की शादी सिर्फ फोटो में ही देखी थी, लेकिन इस शादी में तो हमने बाराती बनकर डांस भी किया।

शेष पृष्ठ 13 पर...

भाजपा ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्षों की घोषणा

मदन कुमावत | महेन्द्र कुमावत | विजय कुमावत

भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिला अध्यक्ष चेतन कुमावत ने मंडल अध्यक्षों की घोषणा की जिसमें सांगानेर विधानसभा के रिद्धि सिद्धि मंडल से मदन कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत, निवासी सूर्य नगर गोपालपुरा, विद्याधर नगर विधानसभा के खातीपुरा मंडल से महेंद्र कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत निवासी झोटवाड़ा व भवानी निकेतन मंडल से विजय कुमार कुमावत पुत्र माली राम कुमावत निवासी प्रेम नगर झोटवाड़ा को नियुक्ति दी गई। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से आप सभी को बधाई व शुभकामनाएं।

जगन्नाथ धाम शिवशक्ति मंदिर एव गुप्तेश्वर नगर विकास समिति, उदयपुर में वी एल मंडावरा को मंत्री पद पर 25 जनवरी 2023 को मनोनीत हुए। बधाई।

विजय कुमावत कांग्रेस के किसान मार्ग ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्ति

बरकत नगर, किसान मार्ग, जयपुर के विजय कुमावत को मालवीय नगर विधान सभा क्षेत्र के किसान मार्ग ब्लॉक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ये कांग्रेस के कर्मठ व जुझारू कार्यकर्ता हैं। कुमावत पूर्व में भी कांग्रेस में सचिव रह चुके है। ये एक अच्छे सामाजिक कार्यकर्ता है। वर्तमान में ये कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत टोंक फाटक के कार्यकारिणी सदस्य हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से विजय कुमावत को कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई व शुभकामनाएं।

राजेश कुमावत बने जीएसटी इंस्पेक्टर

रींगस कस्बे के वार्ड नं. 10 खाटू मोड निवासी राजेश कुमावत का चयन जीएसटी इंस्पेक्टर के पद पर मदुरई, चेन्नई में हुआ है। इन्होंने अपनी स्कूल शिक्षा कस्बे से ही की है। इनके पिता श्री कालूराम कुमावत मजदूरी करते हैं। इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता तथा शिक्षकों को दिया है।

श्री राजेश कुमावत को जीएसटी इंस्पेक्टर बनने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

राजस्थान ओपन कराटे चैंपियनशिप, 2023 जयपुर में उदयपुर के तुषार मंडावरा(कुमावत) ने 2 ब्रोंज मेडल जीते

11 एवं 12 फरवरी 2023 को राजस्थान ओपन कराटे चैंपियनशिप, 2023 सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में आयोजित हुई। इसमें उदयपुर के तुषार मंडावरा (कुमावत) पुत्र महेश्वर हेमलता मंडावरा ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 ब्रोंज मेडल जीतकर समाज का नाम रोशन किया है।

तुषार ने अल्प आयु में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपलब्धियाँ हासिल की है, इसके लिए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

डॉ. महेश कुमावत (अजमेरा), सांगानेर, जयपुर निवासी को राजस्थान विश्वविद्यालय से पीएचडी (Ph.D) की डिग्री मिलने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

सुनील कुमार कुमावत पुत्र श्री ओमप्रकाश कुमावत निवासी रिंगस्या की ढाणी द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर (एबीएसटी) के पद पर राजकीय महाविद्यालय ब्यावर में कार्यग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की कामनाएं।

अमन कुमार वर्मा पुत्र राजेन्द्र कुमार वर्मा, भिवानी निवासी को DSP चयनित होने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

योगेश कुमावत को एयर पिस्टल शूट में गोल्ड मैडल जीतने पर हार्दिक बधाई !

5 मई को चौथ का बरवाड़ा में सामुहिक विवाह

दाढ़ीवाले दुल्हे की एंट्री नहीं

क्षत्रिय कुमावत समाज धर्मशाला व विकास समिति चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर (राज.) में 29 जनवरी 2023 को धर्मशाला परिसर में समाज की बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता शंकर जी सुकड़ीवाल बनेठा वाले ने की। बैठक में 5 मई, पीपल पूर्णिमा को प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह का लक्ष्य रखा है। सवाई माधोपुर समाज के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण जी खोवाल ने 51 हजार रुपए, भोजन की संपूर्ण व्यवस्था में शंकर जी सुकडीवाल, राजेश जी सुकडीवाल व बाबूलाल जी भौरोदिया ने सहयोग देने की घोषणा की। डॉ. जय नारायण जी जूनवाल, कृष्ण गोपाल जी, बेनी प्रसाद जी, गिर्राज जी, रामदयाल जी रामचंद्र जी आदि भामाशाहों ने भी सम्मेलन में सहयोग देने की बात कही है।

बैठक में कुमावत क्षत्रिय महासभा के जिला महामंत्री धर्मवीर जी कुमावत व धर्मशाला समिति अध्यक्ष भंवर लाल जी ने बताया कि 11 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है, सामूहिक विवाह सम्मेलन में फैशन तथा पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव में **बढ़ी हुई दाढ़ी रखने वाले दूल्हे को प्रवेश नहीं देने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है।** अर्थात् सम्मेलन में सिर्फ क्लीन शेव रखने वाले दूल्हे का ही विवाह कराया जाएगा। करीब आठ माह पहले पाली जिले के खेड़ा गांव में भी इसी प्रकार का निर्णय लिया गया था।

ज्ञात हुआ है कि इस पाबंदी को कुछ युवा ठीक नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि शादी जीवन का बड़ा लम्हा होता है जिसमें दुल्हे की पसन्द का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। युवाओं को भी सामुहिक विवाह समिति के निर्णय का सम्मान करना चाहिए।

सामुहिक विवाह सम्मेलन क्षत्रिय कुमावत समाज व धर्मशाला विकास समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसके सम्पर्क सूत्र हैं- 9784265761, 9829556529, 9983143813

सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

दहमीकलां, बगरू में 25 जनवरी, 2023 को श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान द्वारा पंचम सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन दहमी बालाजी मंदिर परिसर में बसंत पंचमी के अबूझ सावे पर किया गया जिसमें 11 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा थे तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री रामसहाय सरोड़िया थे।

सर्वप्रथम गणेश पूजन के साथ थाम स्थापना, स्वागत बारात, पाणिग्रहण संस्कार, वरमाला, वरवधू आशीर्वाद तथा प्रीतिभोज का कार्यक्रम रखा गया। सायं कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसरपर गणेश राहोरिया, आनन्दी लाल खोराणिया, भंवरलाल चौरासिया, रामसहाय सरोड़िया, भोलूराम बेहरा, चैनसूख बड़ीवाल, रामरतन बैहरा, कन्हैयालाल बैथाड़िया, देवी सहाय बड़ीवाल, चन्दालाल मारवाल, मंगलचंद घोड़ेला, सीताराम मनेठिया, चमनलाल कुद्दीवाल, छाजूराम जलाधंरा, गोपाललाल कुमावत सहित समिति कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में सुव्यवस्था थी तथा समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों तथा भामाशाहों का सम्मान किया गया। इन्होंने वर-वधुओं को आशीर्वाद भी दिया। क्षेत्र के अनेक समाजबंधुओं के सहयोग से वर-वधुओं को गिफ्ट भी दी गई।

सांगानेर जयपुर। कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति जयपुर द्वारा 26 जनवरी, 2023 बसंत पंचमी को सांगानेर जयपुर में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया जिसमें 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी, समाजसेवी भींवाराम पन्नालाल, बाबूलाल सिरस्वा, श्रीराम नीमिवाल, चौथमल अनावड़ीया, चेतन धुंधारिया, मोहन लाल अनावड़िया द्वारा दुल्हा-दुल्हनों को दाम्पत्य जीवन की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया गया। समिति की ओर से बताया गया कि नवविवाहितों को समाज द्वारा उपहार भी दिए गए।

ब्यावर में सामूहिक विवाह सम्मेलन : 21 फरवरी, 2023 को फुलेरा दोज के मांगलिक अवसर पर श्री कुमावत पंचायत सभा ब्यावर द्वारा 21वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 6 जोड़ों का विवाह हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विष्णु कुण्डलवाल उद्योगपति मुम्बई द्वारा की गई तथा मुख्य अतिथि श्री शंकर सिंह रावत विधायक ब्यावर थे। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री ब्रह्मदेव झुझुनोदिया पूर्व संसदीय सचिव, बी.डी. कुमावत विशिष्ट सहायक राज्य मंत्री, विकास कुमावत अधिशासी अधिकारी नगरपालिका विजयनगर, प्रभुदयाल घोड़ेला डी.एस.पी., शशिपाल अडानिया उद्योगपति, जगदीश धुंधारिया उद्योगपति, कैलाश घोड़ावड प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी सदस्य गुजरात, डॉ. सुनील किरोड़ीवाल चिकित्सा अधिकारी ब्यावर, श्रीमती सुशीला देवी कुण्डलवाल, श्रीमती ममता जालवाल तथा सम्मानीय अतिथि श्री सत्यनारायण मावर थांवला, छितरमल रेणवाल, चन्द्रप्रकाश नेहरा चौंवालिसा थे। नवदम्पत्तियों को अतिथियों ने आशीर्वाद दिया तथा समाजजनों के सहयोग से उपहार आदि दिए गए।

श्री ललित तुनवाल AICC सदस्य बनाए गए

श्री ललित तुनवाल जो वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस सचिव तथा प्रदेश मुख्यालय के प्रभारी हैं को ऑल इण्डिया कांग्रेस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। समाज के गणमान्य लोगों ने श्री तुनवाल को बधाई दी है।

श्री ललित तुनवाल को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

एक कैरेट के मोती पर नटराज पेंसिल की नोक पर उकेरे महाकाल

कुमावत समाज का गौरवमयी अतीत, आज भी देश-प्रदेश की विरासतों में ऐतिहासिक इमारतों की शक्ल में नज़र आता है। भवन निर्माण कला में इस समाज ने ऐसे हुनरमंद दिए हैं, जिनका काम ना सिर्फ अतीत में, बल्कि आज और आने वाली कई पीढ़ियों तक समाज के मेहनतकश और सृजनशील लोगों के कहानी कहता रहेगा। भवन निर्माण ही नहीं अनेक कार्यों में समाज के लोगों को सिद्धहस्त हासिल है, उनका कोई सानी नहीं है।

आपने भी भगवान शिव के नटराज रूप की अब कई मूर्तियां देखी होंगी, लेकिन कोई आपसे कहे कि एक कैरेट के मोती पर किसी ने उनकी आकृति बनाई है तो शायद आपको यकीन न हो। ऐसा किया है सी स्कीम में रहने वाले युवा कलाकार **रिंकू कुमावत** ने, जो कि मूल रूप से टोंक के निवासी हैं। इसे बनाने में उन्हें तीन घंटे लगे। साथ ही उन्होंने पेंसिल की नोंक पर उज्जैन के महाकाल के शिवलिंग को भी तीन घंटे में बनाया। शिवरात्रि के अवसर पर रिंकू ने इसे बनाया।

हेमंत कुमावत ने ईमानदारी का परिचय दिया

अंता। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता हेमंत कुमावत ने सड़क पर पड़े मिले 18 हजार रुपये कीमत के एप्पल के आई पॉड्स उनके मालिक तख्त सिंह को लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया। जैसलमेर निवासी तख्त सिंह एनटीपीसी अंता में आईनाथ कन्स्ट्रक्शन कंपनी का प्रोजेक्ट देख रहे हैं। वह अंता किसी काम से आये थे, वहां सड़क पर 18 हजार रुपए कीमत के एप्पल के आई पॉड्स गिर गए थे, जो विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता हेमंत कुमावत को मिले और कुमावत ने उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर तख्त सिंह को आई पॉड्स लौटाए तो उन्होंने श्री कुमावत को धन्यवाद दिया।

हेमंत कुमावत ने यह कार्य करके स्वयं तथा कुमावत समाज की ईमानदारी का परिचय दिया है।

अजब-गजब

मैना रिंकी की धूमधाम से हुई तोते मिंटू से शादी

नरसिंहपुर जिले के पिपरिया गांव में मैना और तोता की शादी चर्चा का विषय बन गई है। कहानी कुछ यूं है कि पिपरिया निवासी गोविंद विश्वकर्मा के घर मिंटू और चिंटू के नाम के दो तोते हैं। वहीं पड़ोसी रामस्वरूप के घर में रिंकी और पिंकी नाम की दो मैना है। रामस्वरूप परिवार की वरिष्ठ सदस्य मुन्नीबाई की इच्छा थी कि उनकी मैना रिंकी का विवाह हो जाए। गोविन्द को मैना देखने घर बुलाया गया। मिंटू-रिंकी की शादी तय हुई। गोविन्द के पुत्र लकी ने बताया कि मिंटू की लगुन (शगुन) मैना रिंकी के यहां से 3 फरवरी को आई। इसमें 5001 रुपये के साथ माता पिता के लिए कपड़े, फल, मिठाई आदि सामग्री थी। 5 फरवरी को तोते मिंटू ओर मैना रिंकी के विवाह की रस्में अदा की गई। 9 फरवरी को रिंकी की विदाई हुई।

श्याम नगर मंडल ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष गणेश कुमावत ने की कार्यकारणी की घोषणा

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत के निर्देशानुसार मंडल अध्यक्ष गणेश कुमावत ने कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें रामस्वरूप कुमावत व रतन लाल कुमावत को उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से आप सभी को बधाई व शुभकामनाएं।

समाज की बिटिया आँचल उड़ाएगी लड़ाकू विमान। आँचल का भारतीय वायुसेना में चयन होने पर बहुत बहुत बधाई !

दुर्गा कुमावत ने पॉवर लिफ्टिंग में जीता रजत

दुर्गा कुमावत पुत्री श्री कन्हैयालाल कुमावत गांव मंगलपुरा, पुर क्षेत्र, भीलवाड़ा ने औरंगाबाद में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सब जूनियर कैटेगरी बैंच प्रेस प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर परिवार तथा समाज का नाम रोशन किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दुर्गा कुमावत को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

5 मार्च, 2023 को युवक-युवती परिचय सम्मेलन

अखण्ड कुमावत क्षत्राणी समूह जयपुर द्वारा युवक-युवती नि:शुल्क परिचय सम्मेलन 5 मार्च, 2023 को दोपहर 2 से 4 बजे तक बाल निवास कल्याण जी का रास्ता, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस सम्बन्ध में श्रीमती राजबाला बिरथला अध्यक्षा से मो. 7976475370 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

चित्तौड़गढ़ में कुमावत समाज के छात्रावास का शिलान्यास हुआ

श्री कुमावत विकास एवं सेवा संस्थानके तत्वावधान में जिला मुख्यालय पर संभाग का प्रथम कुमावत समाज श्री चारभुजा छात्रावास का शिलान्यास एवं स्मारिका का विमोचन हुआ। संस्थान के सचिव राजकुमार बेरा के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर गांधीनगर स्थित कुमावत समाज के संभाग स्तर पर पहले छात्रावास निर्माण कार्य शुरू किया गया। शिलान्यास के पश्चात् संस्थान द्वारा 3 मई, 2022 को आयोजित चतुर्थ आदर्श तुलसी एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन के आय-व्यय को लेकर स्मारिका का भी विमोचन किया। संचालन डॉ. सुरेश चंद्र, सिंधु ने किया। संस्थान अध्यक्ष बालचंद गैदर, रमेश चन्द्र खन्ना, गिरजाशंकर लाडना, जगदीश राजोरा, रोड़ूलाल कड़वाल, भेरूलाल, किशनलाल धनेरिया, शिवलाल अडाणिया, हरिप्रसाद, बंशीधर दमीवाल, घनश्याम, मदनलाल खनारिया, शेखर सुमन, निम्बाहेड़ा धार अभिभाषक संघ अध्यक्ष रवि पारमिया, ओमप्रकाश गैदर सहित संस्थान के पदाधिकारी, श्री कुमावत महिला जागृति मंच की सदस्य भी उपस्थित रहीं।

शशि कुमार ने 4×400 रिले दौड़ में कांस्य पदक जीता

शशि कुमार कुमावत, वरिष्ठ सहायक रा.उ.मा.विद्यालय, झाग, जयपुर ने 49वीं राज्य स्तरीय शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2022 जो राजकीय रघुनाथराय जाजोदिया उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुजानगढ़ (चूरू) संभाग में हुई थी उसमें आयोजित 4×400 रिले दौड़ में कांस्य पदक जीतकर समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से शशि कुमार कुमावत को हार्दिक बधाई।

राजपुरोहित समाज द्वारा अग्रगामी निर्णय

समाज सुधार की दिशा में राजपुरोहित समाज द्वारा सुधारवादी तथा अग्रगामी निर्णय लिए गए हैं जिनकी बानगी निम्नानुसार है :

- **मृत्यु भोज** पर पूर्ण पाबन्दी- अब 12 या 24 खेड़ा या अन्य प्रकार की न्यात नहीं होगी। न ही जीवित न्यात होगी।
- **मृत्यु उपरान्त 12वें दिन** सादा भोजन बनाया जाएगा।
- **मंगनी** में 11 रुपए व नारियल तथा अधिकतम 1100 रुपए दिए जाएंगे।
- **बारात** में अधिकतम 200 बाराती होंगे, दहेज का आडम्बर नहीं तथा बारातियों को केवल 11 रुपए भेंट दी जाएगी।

इन दिनों देखा गया है कि अनेक समाज अपने समाज के रीति-रिवाजों में सुधार कर रहे हैं तथा इस दिशा में अग्रगामी निर्णय ले रहे हैं। **कुमावत समाज में भी अनावश्यक तथा बोझिल रीति-रिवाजों को चिह्नित कर उनके निवारण तथा सुधार के लिए कुछ सुधारवादी निर्णय लिए जाने पर विचार किया जाना उचित होगा।**

बहादुरी की मिशाल : सुरेश कुमावत

कालवाड़ के समीप गजाधरपुरा सीवर प्लांट पर हुई घटना में युवकों का जीवन बचाने के लिए अदम्य साहस एवं तत्परता से कर्त्तव्यपरायणता का परिचय देने वाले श्री सुरेश कुमावत को राजस्थान पुलिस द्वारा हैड कांस्टेबल के पद पर आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देने पर श्री सुरेश कुमावत को हार्दिक बधाई।

कुमावत इण्डिया पत्रिका मासिक का प्रकाशन वक्तव्य

1.	प्रकाशन का स्थान	: जयपुर (राजस्थान)
2.	प्रकाशन की अवधि	: प्रतिमाह 21 तारीख
3.	मुद्रक का प्रकाशक का नाम	: **छीतर मल कुमावत**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: एफ 31ए, एस एल मार्ग, लाल बहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर 302018
4.	सम्पादक का नाम	: **रामप्रकाश कुमावत**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: 433 ए, सूर्यनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
5.	मुद्रक का नाम	: **चेतन बालोदिया**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: राज ब्लॉक्स, बी 81, करतारपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्र के स्वामी हैं	: **कुमावत प्रगति ट्रस्ट,** एफ 31/ए, एस.एल. मार्ग, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मैं **छीतर मल कुमावत** एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया विवरण सही है।

दिनांक : 21 फरवरी, 2023 **-छीतर मल कुमावत, प्रकाशक**

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस : 8 मार्च

प्रतिवर्ष देश-विदेश में 8 मार्च महिला दिवस मनाया जाता है। यह महिलाओं के अधिकार जिसमें लैंगिक समानता, प्रजनन अधिकार, उनके प्रति हिंसा एवं दुव्यवहार जैसे मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। साथ ही महिला नवाचार बढ़ाने, खेलों में समान अवसर देने, महिला क्रिएटिविटी को बढ़ाने तथा सामाजिक मंचों पर उनकी उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया जाता है। उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ महिला कार्यस्थलों को बढ़ाने पर जोर देते हैं जहां वे आगे बढ़ सकती हैं। **यह नारीत्व का उत्सव है तथा सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजन भी है।**

महिला दिवस की वर्ष 2022 में थीम थी—'एक स्थाई कल के लिए आज लैंगिक समानता।' **वर्ष 2023 में थीम है, *'लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी।'*** इसका उद्देश्य है कि लैंगिक समानता प्राप्त करने और महिला सशक्तिकरण के लिए डिजिटल युग में नवाचार और तकनीकी परिवर्तन तथा शिक्षा के साथ आगे बढ़ना। यह आज की जरूरत है तथा महिला आत्मनिर्भरता के लिए जरूरी है। प्रौद्योगिकी के विस्तार से महिला सुरक्षा भी बढ़ेगी और महिलाएं जागरूक हो पायेगी। इनकी जागरूकता से समाज व देश में इनकी भागीदारी बढ़ने से हम आगे बढ़ पायेंगे।

आज भारत में महिलाएं रक्षा, पुलिस, अंतरिक्ष, एयरोनोटिक्स, खेल, कम्प्यूटर साइंस, राजनीति, रेलवे, उद्योग, प्रशासनिक सेवाओं, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षण-प्रशिक्षण इत्यादि क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में हैं, जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है।

फिर भी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, अत्याचार, यौन शोषण व अपराध बढ़ रहे हैं। हाल ही में महिलाओं की हत्या कर टुकड़े-टुकड़े करना व रेप जैसे जघन्य अपराध के समाचार मिले हैं। इनकी रोकथाम करने के लिए समुचित कानून बने तथा सरकारी एजेंसियां त्वरित कार्यवाही कर न्याय दिलाए।

महिलाओं को पुरुषों के समान हर क्षेत्र में समानता व महत्व दिया जाए तथा वे सम्मान से जी सकें यह हमारे समाज को सही दिशा में बढ़ने के लिए जरूरी है। सबसे जरूरी है बालिका शिक्षा पर जोर देना तथा लड़का-लड़की का भेद मिटा कर उन्हें अवसर की समानता देना। तब ही वे पढ़-लिखकर नवाचार और प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ पायेगी फलतः लैंगिक समानता आएगी।

आइये, कुमावत समाज भी महिलाओं को लैंगिक समानता देने की दिशा में अपना एक कदम और बढ़ाये। एक शिक्षित महिला से परिवार शिक्षित होगा तथा समाज में शिक्षा और व्याप्त होगी ते समाज ओर विकास करेगा।

नवाचार

आओ संस्कृत सीखे

संस्कृत	हिन्दी
ज्ञातम् ?	समझे ?
कथम् आसीत् ?	कैसा था/रहा ?
कार्यक्रमः कदा ?	कार्यक्रम कब है ?
अद्य एव किम् ?	क्या सिर्फआज है ?
अद्य न, श्वः।	आज नहीं कल (आने वाला कल)।
तद् ह्यः एव समाप्तम्।	वह कल (बीता हुआ) ही समाप्त हुआ।
इदानीम् एव ?	अभी ?
आम् इदानीम्।	हाँ, अभी।
प्राप्तं किम् ?	मिला क्या ?
कस्मिन् समये ?	कितने बजे ?
पंचवादने।	पाँच बजे।
आवश्यकं न आसीत्।	नहीं चाहिए था।
महान् आनन्दः।	बहुत अच्छा।
प्रयत्नं करोमि।	कोशिश करुँगा/करुँगी।
न शक्यते भोः।	नहीं हो सकता।
तथा न वदतु।	ऐसा मत कहिये।
कदा ददाति ?	कब दोगे ?
अहं किं करोमि ?	मैं क्या करुँ ?

व्यवहारिक शब्दावली

संस्कृत	हिन्दी
• रज्जुः	रस्सी
• करदीपः	टार्च
• विद्युत्कोषः	सैल
• चतुरङ्गम्	शतरंज
• यानपेटिका	अटैची
• भित्तिघटी	दीवार घड़ी
• नखकर्तरी	नेलकटर
• तृणम्	घास
• गुल्मः	झाड़ी
• मुद्गरः	हथौड़ा
• कङ्कणम्	कंगन
• प्रैङ्खा	झूला
• गवाक्षम्	खिड़की
• ध्वजः	झण्डा
• तन्त्री	तार
• वित्तम्	धन

-परमेश्वर प्रसाद कुमावत
(राज्य पुरस्कृत शिक्षक), शाहपुरा (भीलवाड़ा) 9829321742

काव्यों में फाल्गुन व होली

हमारे प्राचीन कवियों ने होली के रंग भरे त्यौहार व फाल्गुन मास की बहार को सजीवता से प्रस्तुत किया है। इस समय पलाश के पेड़ों के साथ तन-मन आज भी प्रसन्न हो जाता है। होली अलगाव व कटुता को भुला देती है तथा रंगों की बहार से यह त्यौहार विशेष बन जाता है।

भक्तिकाल के कवियों यथा सूरदास, रसखान, रहीम, मीरा, कबीर हो चाहे **रीतिकाल** के कवियों बिहारी, केशव व घनानन्द सभी ने होली तथा फाल्गुन माह का विशेष वर्णन किया है। इसमें राधा-कृष्ण का प्रेम हो या नायक-नायिका के बीच खेली गई अनुराग व प्रीत की होली उनका पसंदीदा विषय रहा है। फाल्गुन के फाग का रस में इन सभी ने डुबकी लगाई है।

मीरांबाई का यह पद इसका साक्षी हैं—

रंग भरी राग भरी रागसूं भरी री।
होली खेला स्याम संग रंग सूं भरी रे।।
उड़त गुलाल लाल बादला रो रंग लाल।
पिचकाँ उड़ावां रंग रंग री झरी, री।।
चोवा चंदण अरगजा म्हा, केसरणो गागर भरी रीं।
मीरां दासी गिरधर नागर, चेटी चरण धरी री।।

इसमें मीरां ने अपने प्रियतम कृष्ण को अनुराग भरी पिचकारी से रंग दिया। वह सखी से कहती है कि मैंने अपने प्रियतम कृष्ण के साथ प्रेम के रंगों से सरोबार होली खेली है।

रसखान ने फाग लीला पर अनेक दोहे रचे हैं—

फागुन लागे जब तें तब तें ब्रजमण्डल में धूम मच्यौ हैं।
नारि नवेली बचैं नहीं एक बिसेख वहै सबे प्रेम अच्यौ है।
सांझ सकारे वहि रसखानि सुरंग गुलाल ले खेल रच्यौ है।
कौ सजनी निलजी न भाई अब कौन भटु बिहिं मान बच्चों।।

बिहारी ने कहा कि संयोग हो या वियोग फाल्गुन मास का विशेष महत्व है। क्योंकि प्रिय है तो मादक है अन्यथा सब रंगहीन हैं।

बन बाटुक पिक बटपरा, तकि बिरहिनु मत मैन।
कुहु कुहु कहि कहि उठे, करि करि राते नैन।
हिय और सी हवे गई डरी अवधि के नाम।
दूजे करि डारे खरी, बौरी बौरी आम।।

नेत्रहीन कवि सूरदास भी फाल्गुन के रंग व गंध की मादकता का अहसास करते हुए कहते हैं कि कृष्ण व राधा, मधुर छेड़छाड़ वाली होली खेलते हैं।

हरि संग खेलति हैं सब फाग।
इहिं मिस करति प्रकट गोपी : उर अंतर को अनुराग।।

.....

डफ, बासुरी, रूंज अरु महुआरि, बाजत ताल मृंदग।
अति आनन्द मनोहर बानि गावत उठति तरंग।।

इस तरह कवि फाल्गुन व होली का वर्णन करने को आतुर रहे हैं। क्यों न हों यह रंग-बिरंगा व उल्लास का पर्व है।

-संकलनकर्ता : रमेश गैदर

सबसे बड़ा धर्मात्मा कौन ?

एक राजा के चार लड़के थे। एक दिन राजा ने इन्हें बुलाकर कहा—जाओ किसी धर्मात्मा को खोजकर लाओ जो सबसे बड़े धर्मातमा को लाएगा, उसी को राजगद्दी दी जाएगी। चारों लड़के चले गए।

(1) कुछ दिन बाद बड़ा लड़का लौटा (वह अपने साथ एक सेठ को लाया) उसने राजा से कहा कि ये सेठजी खूब दान-पूण्य करते हैं। इन्होंने मंदिर बनवाए हैं, प्याऊ लगवाई है और साधु संतों को भोजन कराते हैं। राजा ने उनका सत्कार किया और वे चले गए।

(2) इसके बाद दूसरा लड़का एक दुबले-पतले ब्राह्मण को लेकर आया और बोला—इन्होंने चारों धामों, सातों पुरियों की पैदल यात्रा की है। राजा ने उन्हें दक्षिणा देकर विदा किया।

(3) फिर तीसरा लड़का एक साधु को लेकर आया ओर उसने कहा कि ये बहुत बड़े तपस्वी हैं, सारा दिन में एक ही बार भोजन करते हैं। राजा ने उनका भी सम्मान किया और दक्षिणा देकर विदा कर दिया।

(4) अब बारी थी चौथे लड़के की आई। वह अपने साथ मैले कुचैले कपड़े पहने एक देहाती को लाया और उसके बारे में बताया कि कुत्ते के घावों को धो रहे थे। मैं इन्हें जानता नहीं, आप ही कुछ पूछ लीजिए कि धर्मात्मा हैं या नहीं। राजा ने पूछा कि क्या तुम धरम-कर्म करते हो ? वह बोला मैं अनपढ़ हूँ, धरम-कम मैं नहीं जानता। हाँ कोई बीमार होता है तो सेवा कर देता हूँ। राजा ने कहा कि यही वास्तव में सबसे बड़ा धर्मात्मा है। **सबसे बड़ा धर्म बिना किसी इच्छा के असहायों की सेवा करना ही है।**

प्रो. बाल कृष्ण कुमावत, उज्जैन

कुमावत इंडिया पत्रिका के सह सम्पाादक जयसिंह गुडीवाल की विशेष रिपोर्ट

आधुनिकता की भेंट चढ़ी फागुन की मस्तीः समय के साथ बदल गई होली

होलिया में उड़े रे गुलाल, रंग बरसे भीगे चुनरवारी, होरी खेले रघुवीरा, कान्हा तेरी नगरी में जैसे फागुन के गीतों की बात अब पुरानी हो गई। आधुनिकता के इस भागम-भाग भरी जिदगी में नई पीढ़ी ने तो इन गीतों से मानो मुंह मोड़ लिया है। जैसे बाकी पर्व धीरे-धीरे आधुनिक जमाने के साथ बदल रहे हैं वैसे ही होली का भी पारंपरिक अस्तित्व धूमिल होता जा रहा है। पहले होली के दिन लोग बुरा न मानों होली है बोलकर दुश्मनों से भी गले लग जाते थे। डीजे की धुन पर गाते, नाचते नौजवानों की टोली, शहरों से लेकर गांव, देहातों में भी देखने को मिल जाती थी। शोरगुल वाले फिल्मी गीतों के बढ़ते प्रभाव से माटी से जुड़े गीतों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। ग्रामीण जीवन में घुले-मिले पारंपरिक गीतों की मिठास का स्थान अब कर्कश, तेज संगीत लेता जा रहा है। पहले जहां बसंत पंचमी के बाद से ही गलियों मोहल्लों में होली गाने वालों की टोलियां नजर आती थी, पर अब यह सब गुजरे जमाने की बात हो गयी है। पहले होली के अवसर पर शहरों में महामूर्ख सम्मेलन आयोजित होते थे और अखबारों में नामी-गिरामी लोगों को तरह-तरह की उपाधियां दी जाती थी। अब यह परंपरा भी आखिरी सांसें ले रही है। होली के मौके पर बनने वाली ठंडाई और भांग की जगह अब अंग्रेजी शराब ने ली है। शहरों की बात तो दूर गांवों में भी लोककलाओं को जीवित रखने वालों की टोलियां बिरले ही देखने को मिलती है।

समाज के कवि **प्रहलाद कुमावत 'चंचल'** बताते हैं कि पहले होली का डांडा रोपने के साथ ही होली के गीत गाने शुरू हो जाते थे। लोग चंग, थाप व टोलियों बनाकर गीत गाया करते थे। महीने भर इनकी महफिलें जमती थी। इन गीतों के सुर ताल इतने अच्छे होते थे कि सुनने वाले इसमें खो जाते थे, शहरों में भी ढोल-मजीरे के साथ फगुआ (फागुन) के गीत गाए जाते थे। लेकिन समय की कमी, बदलती जीवनशैली और कई अन्य कारणों से गांवों में भी यह परंपरा अब दम तोड़ रही है। अब तेजी से गांव-देहातों से भी गायब होते जा रहे हैं। वहां भी अब बेतुके फिल्मी गीतों का बोलबाला है। समाजसेवी **सुरेन्द्र कुमार नागा** का कहना है कि हमारे जमाने में होली का काफी महत्व था, अपनी परंपरा थी। होली से समाज में भाईचारा और प्रेम बना रहता था। आपस में कोई भेदभाव नहीं रहता था। अब न तो फागुन के महीने में वह मस्ती दिखाई देती है और न ही मेल-जोल। होली के रंग नैसर्गिक न होकर रासायनिक हैं, पकवानों में आत्मीयता व प्रेम के मिश्रण की जगह मिलावट ने ली है। सामाजिक त्योहार माना जाने वाला यह त्योहार असामाजिक तत्वों की चपेट में है। **शिक्षाविद् भारती तोंदवाल** का कहना है कि होली में होलिका दहन न होकर मर्यादा, संस्कार, नैतिकता का दहन हो रहा है। लोगों को सामाजिकता व एकजुटता का अहसास दिलाने वाला यह पर्व उदासी, अनैतिकता, असामाजिकता में बदल चुका है। वातावरण में अजीब-सी गंध आने लगी है।

हमने समाज के बुद्धिजीवियों से बात की उन्होंने कहा कि संस्कृति और परंपरा की रक्षा के लिए युवाओं को सजग होना होगा। संस्कृति ही देश की पहचान होती है। इसको लेकर लोगों को गंभीर होने की जरूरत है। यह सदी, यह दशक क्रांति का है, नए विचारों का है। हमें अपनी संस्कृति और परम्पराओं को बचाने के लिए होली के सामाजिक दायित्व को समझते हुए लोककलाओं को बचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। होली के रंग, फाग गीत, गुजिया, पापड़, चिप्स बनाने के साथ सुरीले कंठ से आंगन में फाग के गीत गाने वाली अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाना है तो हमें गांवों को बचाना होगा। उम्मीद है लोग अपने सामाजिक दायित्वों को समझेंगें और पूर्ण हर्षोल्लास के साथ होली का त्यौहार मनायेंगे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से सभी को होली की शुभकामनाएं।

-जयसिंह गुडीवाल
सह सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

पृष्ठ 6 से आगे...

अब 'शादी से भव्य' हो रहा है....

इस अवसर पर चेतन कुमावत और रेनु कुमावत ने कहा कि आज हम शादी की 25वीं स्वर्णिम वर्षगांठ मना रहे हैं हम भगवान का शुक्रिया अदा करते हैं सभी के आशीर्वाद, प्यार व स्नेह से हम आज तक एक सफल वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

समाज के गणमान्य बंधु जिनमें 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर, सी.एम. बड़ीवाल, चेतन बालोदिया, भारती तोंदवाल, रामप्रकाश मारवाल, जयसिंह गुडीवाल, खेमचंद खडगटा, राकेश कुमावत एडवोकेट व विमल कुमावत, सुनील कुमावत, आशुतोष कुमावत, रामेश्वर बंबोरिया, नीरज कुमावत, ललित जालवाल तथा संजीव वर्मा सहित परिवार के सभी सदस्य व रिश्तेदारों ने भी कार्यक्रम में शिरक्त कर बधाई दी।

रसिया

कैसी तूने ये लगाई रे गुलाल रसिया,
मेरे काबू में नहीं है मेरी चाल रसिया।

सीधी सीधी चलती थी पर अब मैं बलखाती हूं,
रस्ते में आते जाते, गैरों से टकराती हूं।
तेरा छूना या फिर है कोई जादू टोना,
मुझको सभी रंग लगते हैं अब लाल रसिया।
मेरे काबू में नहीं है मेरी चाल रसिया।

पागल कर देगी मुझको तेरे रंगों की माया,
मुझको जीने ना देंगी, तेरे अंगों की छाया।
मैं तो फंस गई मछेरे तेरी बातों में आकर,
तूने बांहों का फैलाया ऐसा जाल रसिया।
मेरे काबू में नहीं है मेरी चाल रसिया।

विरहा का कोई भी पल,मुझसे अब सहा न जाए
जो कुछ मैं कहना चाहूं,वो कुछ भी कहा न जाए।
फुसला कर मेरे भोले भाले मनवा को बालम,
तूने क्या से क्या किया है मेरा हाल रसिया।
मेरे काबू में नहीं है मेरी चाल रसिया।

रंगों की चुनरी

दुनिया के सारे रंगों को आज यहां आमंत्रित कर दो।
साजन अपनी प्रेम कथा के हर पहलू को मंचित कर दो।

जितनी भी तुम पीना चाहो उतनी जी भर पीओ हाला।
कसम खुदा की नहीं रीतने दूंगी मैं अपनी मधुशाला।
सांस सांस और धड़कन धड़कन आज मेरी अभिमंत्रित कर दो।
साजन अपनी प्रेम कथा के हर पहलू को मंचित कर दो।

रंगों की चुनरी ओढ़ाओ रंगों के जेवर पहनाओ।
आज मेरे तन मन के कौंने कौंने में तुम रास रचाओ।
ऐसी होली खेलो इसको दुनिया भर में चर्चित कर दो।
साजन अपनी प्रेम कथा के हर पहलू को मंचित कर दो।

अपनी बांहों के घेरे में एक अनोखा स्पंदन हो।
ऐसा लगे हमारी लय से जैसे इस जग का वंदन हो।
ऐसे तार बजाओ तन के मौसम तक को झंकृत कर दो।
साजन अपनी प्रेम कथा के हर पहलू को मंचित कर दो।

– बनज कुमार 'बनज'
राष्ट्रीय कवि

होली के रंग

होली को फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। यह दो दिन का होता है। यह रंगों का व हंसी-खुशी का त्यौहार है। पहले दिन होलिका को जलाया जाता है जिसे होली दहन कहा जाता है। दूसरे दिन रंगों का त्योहार होता है। लोग एक-दूसरे के यहां जाकर रंग (अबीर-गुलाल) लगाते हैं एवं मिठाइयां खाते हैं तथा नाचते-गाते हैं।

इस दिन पुरानी कटुता भुला कर दुश्मन भी गले लग जाते हैं। युवाओं की टोलियां मार्ग पर नाचते-गाते निकलती हैं और सारा वातावरण हरे, पीले, लाल आदि रंगों से भर जाता है। लोग ठण्डाई भी पिलाते हैं तथा गूंजिया खिलाते हैं। दोपहर बाद लोग स्नान कर नये कपड़े पहन कर रिश्तेदारों व मित्रों के यहां मिलने जाते हैं। फाग व धमाल गाते हैं व ढप बजाया जाता है।

अन्य तथ्य

- 1 माह पहले होली का एक डंडा सार्वजनिक स्थल/चौराहे/गांव के बाहर गाड़ा जाता है।
- युवक वहां पर ढप बजाते हैं और फाग गाते हैं।

होली दहन के दिन लकड़िया इक्कठी कर होली के डंडे के चारों ओर लगायी जाती है। गाय के गोबर से बने 'बड़कुले' (गोल आकृति तथा बीच में छेद) की माला बनाकर बहिने अपने भाईयों के सिर के चारों ओर 7 बार घुमाती हैं तथा होली पर लगाते हैं जिससे भाइयों पर बूरी नजर नहीं लगे। सायं लोग इकट्ठे होते हैं तथा होली जलाई जाती है। गेहूं की बालियां व चने व होलो को होली की आग में भुना जाता है।

ब्रज की होली : ब्रज क्षेत्र में बसंत पंचमी से ही होली की शुरुआत हो जाती है। बरसाने की लट्ठमार होली प्रसिद्ध है जो कृष्ण व राधा के प्रेम से जुड़ी है। बरसाने से राधा तथा नंद गांव से कृष्ण थे। नंदगांव से युवा बरसाने आते हैं ओर बरसाने की युवतियों से होली खेलते हैं। युवतियां रंग-गुलाल के साथ कपड़े का सोटा रखती है व नंदगांव से आये युवकों को मारती है तथा वे उससे बचते हुए उन्हें रंग लगाते हैं। वृन्दावन में 15 दिन होली खेली जाती है।

होली मनाने का वर्णन ऐतिहासिक साक्ष्य

- जैमिनी के पूर्व मिमांसा-सूत्र, नारद पुराण व भविष्य पुराण में है।
- अलबरूनी ने भी होली मनाने का वर्णन किया है।
- अकबर का जोधा के साथ तथा जहांगीर का नूरजहां के साथ होली खेलने का वर्णन मिलता है।
- हम्पी में 16वीं शताब्दी के चित्र पर होली का दृश्य उत्कीर्ण है।
- 17वीं शताब्दी में मेवाड़ के एक चित्र में होली मनाने को दर्शाया गया है।
- बूंदी से प्राप्त चित्र में राजा को हाथी पर बैठे हुए तथा रानियों द्वारा उसे गुलाल मलते हुए दर्शाया गया है।

– **शोभिका कुमावत,** सवाईमाधोपुर

भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता, स्नेह व प्रेम का त्यौहार है होली

आप सभी को होली के पावन पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई। सात रंगों का रंगीला और खूबसूरत त्यौहार है, **'होली'**। यह देश के अधिकतर राज्यों में बहुत ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया जाता है। होली का त्यौहार न सिर्फ हिन्दू बल्कि अन्य धर्मों, सम्प्रदायों एवं वर्गों के लोग भी प्रेमपूर्वक मनाते हैं। यूं भी कह सकते हैं कि होली का त्यौहार भारतवर्ष का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय त्यौहार है। दो दिन तक चलने वाले इस उत्सव में पहला दिन होलिका दहन के रूप में मनाया जाता है। इसके पीछे एक **पौराणिक कथा** प्रचलित है। कहा जाता है कि आदि काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक असुर राजा हुआ करता था जो स्वयं को भगवान मानता था तथा अपनी प्रजा को स्वयं की पूजा करने के लिए बाधित करता था। प्रहलाद उस असुर राजा का पुत्र था जो कि भगवान विष्णु का परम भक्त था। वह दिन-रात प्रभु भक्ति में लीन रहता था। राजा को यह बात फूटी आंख भी नहीं सुहाती थी। उसने अपने पुत्र को मरवाने के लिए कई जतन किए मगर असफल रहा। अन्तत: उसने अपनी बहिन होलिका को बुलाया। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह जलती आग में भी सुरक्षित रह सकती थी। भाई के कहने पर होलिका, प्रहलाद को लेकर अग्नि पर बैठ गयी। मगर कुछ ही देर में होलिका जल कर राख हो गयी और प्रहलाद आँखे बन्द करके व हाथ जोड़े प्रभु के नाम पर स्मरण करते हुए सुरक्षित बाहर निकल आए। भक्त प्रहलाद की भक्ति के आगे पिता हिरणयकश्यप भी असहाय रहे।

इस उपलक्ष्य में इस दिन होलीदहन करते हैं तथा प्रार्थना करते हैं कि सभी नकारात्मक विचार इस वेदी में भस्म हो जाएं। **यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है।** इस अवसर पर सभी लोग होली दहन के स्थान पर एकत्र होकर एक दूसरे को बधाई देते हैं तथा होली की पूजा के पश्चात आपस में स्नेह का तथा आदर व आत्मीयता का आदान प्रदान करते हैं। पुराने से पुराना बैर भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाकर परस्पर भाईचारे तथा प्रेम का परिचय देते हैं। महिलाएं तथा बच्चे बड़े बुजुर्गों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेते हैं। इस प्रकार यह संस्कारों से तथा परम्पराओं से जुड़ा उत्सव भी है। दूसरा दिन **धुलण्डी** के रूप में मनाया जाता है। लोग एक दूसरे को रंग लगाकर अपने प्रेम तथा आपसी सद्भावना का परिचय देते हैं। दरअसल होली सिर्फ एक त्यौहार ही नहीं है वरन् यह निराशा पर आशा की, नकारात्मकता पर सकारातमकता की, गम पर खुशी की तथा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। सात रंगों से सजा यह ऐसा अवसर है जिसके हर रंग की अपनी एक कहानी है, एक ऊर्जा है तथा जीवन को जीने की एक उमंग समायी है। भारतवर्ष में अनेक स्थानों पर तो फागुन माह के लगते ही होली उत्सव प्रारम्भ हो जाता है। जगह-जगह फागोत्सव किए जाते हैं जिनमें चंग की माप पर फागुन के तथा होली के स्थानीय लोकगीत गाये जाते हैं व भवनों के माध्यम से राधा-कृष्ण के मनमोहक मधुर प्रेममयी स्वरूप की स्तुति कर भगवान को रिझाया जाता है और सारा वातावरण प्रेममय तथा रंगबिरंगा हो जाता है। आजकल की युवा पीढ़ी ने इस त्यौहार का रूप कुछ विकृत कर दिया है। लोग इसे नशे का त्यौहार मानने लगे हैं। नशा करके अश्लीलता का प्रदर्शन करना, अपने आस-पास का माहौल खराब करना, अभद्रता करना इत्यादि अनुचित कृत्यों को युवा वर्ग इस त्योहार का पर्याय मानने लगा है मगर यह बहुत गलत तथा बेहुदा व्यवहार है जिसमें दूसरो को तथा कभी-कभी खुद जो भी बहुत गंभीर नुकसान का सामना करना पड़ सकता है तो युवाओं से यह विशेष अनुरोध है कि त्यौहार को शालीनता, सौहार्दपूर्ण तथा आदर्श रूप में मनाए ना कि फूहड़ता का परिचय दें।

मैं, एक बात और कहना चाहूंगी कि जो लोग जल के दुरुपयोग का बवंडर होली के त्यौहार पर खड़ा करते हैं उनसे मेरा विशेष अनुरोध है कि कृपया इस दिन को छोड़कर बाकी के 364 दिन आप जल संरक्षण के महत्व के प्रति दुनियां को जागरूक करें तथा इसका महत्व बताएं मगर हमारे राष्ट्रीय पर्व को प्रेम से मनाएं व मनाने दें। हमारे नौनिहालों को तथा आने वाली पीढ़ियों को इस आनन्द से वंचित ना रहने दें। अपने बच्चों को रंग, गुलाल व पिचकारियों से खेलने दें ताकि वे उमंग, आनन्द, भाइचारे, संस्कार, प्रेम तथा अपनत्व जैसे भावों से परिचित हो सकें। होली मिलजुल कर प्रेम से रहने तथा जीवन के विधि रंगों को अपने भीतर आत्मसात करने का त्यौहार है। यह त्यौहार हमें सामाजिक सद्भाव बनाते हुए अच्छाई के मार्ग पर आगे बढ़ने तथा पारिवारिक व सामाजिक एकता बनाएं रखने का संदेश देता है।

- उर्वशी बालोदिया

समाज की बालिकाओं की शिक्षा के लिए जयपुर में नि:शुल्क छात्रावास

विजयपथ, मोती डूंगरी, जयपुर में समाज की बालिकाएँ जो 70-80 किमी. दूर निवास करती हैं उनकी शिक्षा, सुविधा के लिए बालिका छात्रावास (नि:शुल्क) की व्यवस्था कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) ट्रस्ट के द्वारा की जा रही है। समाज की बालिकाएं शीघ्र सम्पर्क कर सीट रिजर्व कराने का कष्ट करें।

सम्पर्क - हेमचन्द खड़गटा अध्यक्ष मो. 9351682036, चेतन कुमावत (धुंधारिया) वरिष्ठ उपाध्यक्ष मो. 9829017524, लालचंद धुंधारिया कोषाध्यक्ष मो. 9413335998, किस्तूरमल कुमावत सचिव मो. 9461618994, संरक्षक नानकराम धुंधारिया मो. 9529656211

होली के रंग-सबके संग

पौराणिक काल से ही हिंदू धर्मावलंबी होली की महिमा अधर्म पर धर्म व बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में बताते आए हैं। चूंकि इस त्यौहार का धार्मिक महत्व है अत: इसे पूजन परंपरा के साथ भी मनाया जाता है। किंतु होली सिर्फ धार्मिक पर्व ही नहीं अपितु इसका संबंध विज्ञान से भी है जो हमारी जीवनशैली में सुधारात्मक प्रक्रिया को भी अंजाम देता है। हमारे जीवन पर पर्यावरण का अमिट प्रभाव है ओर इसे संतुलित रखने के लिए ऋषि मुनियों ने इन धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ इनमें जीवंतता भी डाल दी है, इसी का जीता जागता उदाहरण **होली का त्यौहार** है।

वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर अब हमें इन **परंपराओं को** एक नये अंदाज में देखना चाहिए ताकि ये स्वस्थ परंपराएं आने वाली पीढ़ी को भी प्रभावित करें नहीं तो यह त्यौहार सिर्फ रंग व पानी की फुहार के रूप में ही सिमट कर रह जाएगा।

प्रथम दिन होलिका का दहन किया जाता है। नई फसल, जिसमें गेहूं, जौ व चने की नई बालियां होती है उन्हें भी इस अग्नि में भूना जाता है जो **वैज्ञानिक दृष्टि** से अत्यंत स्वास्थ्य वर्धक होती है। इस समय वातावरण की शुद्धता हेतु इसमें गौमाता के गोबर से बनी वस्तुएं एवं कपूर आदि को भी होली दहन में डाला जाता है जो फैक्ट्रियों से निकले धुएं से एकदम अलग होता है।

नैतिक मूल्यों के पतन को रोकने में भी होली का अपना महत्व है क्योंकि आज का युवा स्वयं में ही सिमटा रहता है। वहीं यह त्यौहार सभी तरह के भेदभाव भुलाकर भाईचारे का संदेश तो देता ही है साथ ही सबके मन में छिपे अवसाद को रंग-बिरंगे रंगों के साथ धोकर हर्ष और उल्लास के रंग में रंग देता है। यह होली ही है जो हर रिश्ते को नये सिरे से समझने और जीने का अंदाज भी सिखाती है।

फाल्गुन मास की शुरुआत के साथ ही मंद-मदं चलने वाली खुशनुमा बयार अपने प्रवाह के साथ होली के आगमन की दस्तक हर दरवाजे की चौखट पर देने लगती है। चारों तरफ खिली हुई क्यारियों के मनमोहक फूलों की सुगंध वतावरण में अपना अनोखा प्रभाव छोड़ देती है। नई कोपलों का फुटाव इस मौसम में तन व मन को अत्यंत प्रफुल्लित कर देता है तथा चंग व ढोल की थाप इस त्यौहार पर रंग बिरंगे आवरण से सबके चेहरों को छुपा देती है और अपना पराया भुलाकर एक होने का भाव घोल देती है।

हिन्दू धर्म के ऐसे अनोखे और अलबेले त्यौहार को सिर्फ दिल से महसूस करने की जरूरत है। त्यौहार की भावना के अनुरूप इसमें उतर कर गुलाल व अबीर से एक दूसरे को महकाने की जरूरत है। यकीनन इससे एकता व भाईचारे व हमारी राष्ट्रीय एकता को अवश्य ही बल मिलेगा। यही नहीं हमें हमारी नन्हीं पीढ़ी को भी इससे ओत-प्रोत करते हुए होली त्यौहार की परंपरा से रुबरू करवाना चाहिए तथा गुलाल से होली खेलने की ओर प्रेरित करना चाहिए ताकि इस त्यौहार की हमारे जीवन से जुड़ाव की कहानी हमेशा याद रखी जा सके और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में यह कहानी अपने बीज बो सके।

- भारती तोंदवाल

लागै कोनी फागण छै....

अळियां गळियां चंग बज्यां बिन,
लागै कोनी फागण छै।
मझ केसरिया रंग उड्यां बिन,
लागै कोनी फागण छै।।

झीणों राग धमाळ छेड़कर,
भेळा बैठ हथायां मं,
घुटवां भंग तरंग चढ्यां बिन,
लागै कोनी फागण छै।।

भांत भांत का रंग रंग्योड़ा,
साथीड़ां की टोळ्यां में,
मूंडा लाल सुरंग रच्यां बिन,
लागै कोनी फागण छै।।

आडा टेडा फाग टेर कर,
सांझ पड्यां अमरायां में,
हुरियारां कै संग नच्यां बिन,
लागै कोनी फागण छै।।

लुक्खा-छुप्पी खींचा-ताणीं,
सा'गे लोग लुगायां में,
पोळ्यां मं हुड़दंग मच्यां बिन,
लागै कोनी फागण छै।।

चौबारा सैं रंग उड़ाकर,
चौडै चौक गुवाड्यां में,
देवर भाभी जंग मच्यां बिन,
लागै कोनी फागण छै।।

गाल गुलाबी फीका लागै,
काजळ फीको कोयां में,
'चंचल' नैणीं नैण मिल्यां बिन,
लागै कोनी फागण छै।।

प्रहलाद कुमावत
'चंचल'
जाहोता

खेल प्रतियोगिता का आयोजन

श्री कुमावत महिला विकास समिति का 8वां खेल प्रतियोगिता 5 फरवरी 2023 को श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, लालकोठी, जयपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम श्रीमती सुनीता नांदीवाल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आशुतोष कुमावत सह संयोजक भाजपा खेल प्रकोष्ठ, श्री पवन कुमावत, श्रीमती आशा कुमावत थे। उन्होंने खेल के महत्व को समझाया तथा कहा कि खेल से शारीरिक विकास ही नहीं बल्कि मानसिक विकास भी होता है। हमारे समाज को हर क्षेत्र में कामयाबी मिले यह कहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का लुफ्त सभी समाजजनों ने उठाया। मंच संचालन भारती तोंदवाल ने किया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। खेल प्रतियोगिता में समाज के प्रतिभावान खिलाड़ियों तथा समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य खेल के प्रति समाज में जागरूकता लाना है ताकि सभी का सर्वांगीण विकास हो सके।

राजस्थान आठवीं बोर्ड परीक्षा का टाइमटेबल जारी

21 मार्च को अंग्रेजी, 22 को अंतराल, 23 को चेटीचंड का अवकाश, 24 को अंतराल, 25 को हिंदी, 26 को रविवार का अवकाश, 27 और 28 को अंतराल, 29 को सामाजिक विज्ञान, 30 को रामनवमीं का अवकाश, 31 मार्च तथा एक अप्रेल को अंतराल, 2 को रविवार का अवकाश, 3 को विज्ञान, 4 को महावीर जयंती का अवकाश, 5 व 6 को अंतराल, 7 को गुडफ्राइडे का अवकाश, 8 को गणित, 9 को रविवार का अवकाश, 10 को अंतराल तथा 11 अप्रेल को तृतीय भाषा संस्कृत, उर्दू, गुजराती, सिंधी, पंजाबी तथा संस्कृतम की परीक्षा होगी। इसका समय दोपहर दो बजे से शाम साढ़े चार बजे तक रखा गया है।

नोट: मूक बधिर विद्यार्थियों के लिए अलग टाइम टेबल है।

श्री कुम्बानन्दाचार्यजी की मूर्ति की प्रतिष्ठा

क्षत्रिय मारू कुमावत समाज मध्य प्रदेश द्वारा संत शिरोमणी श्रीश्री 1008 श्री कुम्बानन्दाचार्य जी महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं पंच कुण्डात्मक शिव महायज्ञ महोत्सव का आयोजन 22 फरवरी, 2023 को बोला तहसील सरदारपुर जिला धार, मध्य प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाना रखा गया है। इस अवसर पर 17 फरवरी को हेमाद्री, दश विधी स्नान, 18 फरवरी को कलश यात्रा, गणेश पूजन, मण्डप प्रवेश, जलाधिवास तथा सुन्दर काण्ड का पाठ, 19 फरवरी को अग्नि स्थापना, हवन, पुष्पा-फलाधीवास, 20 फरवरी को हवन व अन्नाधीवास तथा आशा कुमावत द्वारा भजन संध्या, 21 फरवरी को महाभिषेक, शय्याधीवास, शोभायात्रा तथा भजन का आयोजन रखा गया है। 22 फरवरी को पूजन-हवन के साथ प्राण प्रतिष्ठा पूर्णाहुति, महाआरती तथा प्रसादी (भण्डारा) का आयोजन रखा गया है। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री आर.सी. कुमावत प्रदेश अध्यक्ष कुमावत समाज राजस्थान, विशेष अतिथि सुमेरपुर विधायक श्री जोराराम कुमावत, श्री कुम्बा जी मंदिर नमाज के सचिव श्री शिव रामजी एकलिया, अ.भा. मारू कुमावत समाज मारवाड़ समाज धर्मशाला उज्जैन के अध्यक्ष श्री हेमराज सावलेचा तथा श्री भागीरथ जी बाकरेचा लाबरिया हैं।

रसोई से...

नारियल-केसर बर्फी

नारियल की बर्फी काफी स्वादिष्ट, स्वास्थ्यवर्धक व लाभदायक होती है। इसे किसी भी त्यौहार पर आसानी से घर पर बनाया जा सकता है। यह जल्दी तैयार होने वाली रेसीपी है। बाजार की मिठाई की अपेक्षा ज्यादा सेहतमन्द है। नारीयल में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, प्रोटीन, खनिज तत्व, ऐमिनोएसिड फाईबर (रेशे) आदि होते है जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है। इस मिठाई को हर उम्र के लोग पसन्द करते है।

सामग्री- खोया 200 ग्राम, पिसा हुआ नारियल 100 ग्राम, चीनी 100 ग्राम, हरी इलायची 2 या 3, चांदी के वर्क 2, पिस्ता कतरन तथा केसर आदि।

विधि- सबसे पहले एक कप पानी में चीनी डालकर चाशनी तैयार करें, इसमें 5-6 लच्छे केसर के डाले। अब एक बरतन में खोये को अच्छी तरह से हाथ से मसल ले। मसले हुए खोये को धीमी आँच पर कढाई में भूने फिर इसमें पिसा हुआ नारियल अच्छी तरह मिलाएँ तथा धीमी-धीमी ऑच पर बराबर चलाते हुए पकाए। अब तैयार की हुई चाशनी को इसमें डालकर हिलाते हुये थोड़ा सा पकाए। अब ऑच से उतार कर इलायची को पीस कर बारीक करें और इसमें डाले, अब इसमें उपर से कतरन पिस्ता मिलाये। इसके बाद एक थाली में चारों ओर देशी घी लगाये और थाली में अच्छी तरह से फैला दे। अब इसमें ऊपर से कतरन पिस्ता डाले। ठण्डा होने पर वर्क लगाकर चौकोर टुकडों में काट लीजिए 10 से 12 पीस तैयार है, जिन्हें प्लेट में डालकर परोसें।

-**राजबाला कुमावत,** बी.ए. इन होम साइंस, सांगानेर, जयपुर

शनि के प्रभावशाली उपाय

ज्योतिष के अनुसार हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी शनि की दशा आती है। शनि की महादशा 19 वर्षों की रहती है। शनिदेव कर्मों के अनुसार फल देने के कारण न्यायाधीश और कर्म फल दाता कहे जाते हैं। शनिदेव की वक्री दृष्टि के कारण जातक को कारोबार, नौकरी, दांपत्य जीवन, अचल संपत्ति, स्वास्थ्य आदि कई चीजों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ज्योतिष में शनि को वृद्धावस्था, कमजोर स्वास्थ्य, जीवन में बाधाएं, रोग, मृत्यु, नपुंसकता, विकलांगता, दीर्घायु एवं संघर्ष आदि का कारक ग्रह माना गया है। शनि से प्रभावित व्यक्ति न्यायप्रिय होता है और उसको समाज में काफी मान- सम्मान भी प्राप्त होता है। यहां शनिदेव को प्रसन्न या अनुकूल बनाने के लिए कुछ बेहद खास और प्रभावशाली उपायों के विषय में बात करेंगे।

- शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए व्यक्ति को असहाय, अपंग, निर्धन और सफाई कर्मचारियों के साथ ही मजदूर वर्ग को भी शहद का दान करना चाहिए। शनिदेव के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए यह बेहद प्रभावशाली उपाय माना जाता है।
- शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं, इसके साथ ही पीपल के पेड़ पर दूध, तिल और चीनी मिश्रित शुद्ध जल भी चढ़ाएं। ऐसा करने से शनिदेव की कृपा के साथ ही लक्ष्मी जी की भी कृपा की प्राप्ति होती है।
- शमी के वृक्ष की जड़ में नियमित रूप से जल चढ़ाने पर भी शनिदेव प्रसन्न होते हैं।
- यदि कुंडली में शनि अशुभ स्थानों पर बैठकर कष्ट दे रहा है या फिर कारक ग्रह होकर भी काफी कमजोर है और शुभ फल नहीं दे पा रहा है तो, जातक को अपने पूजा घर में शनि का हस्त निर्मित एवं अभिमंत्रित वैदिक यंत्र अवश्य स्थापित करके प्रतिदिन शनि के बीज मंत्रों का जाप करना चाहिए। इस उपाय से निश्चित ही जातक को शनिदेव की अनुकूलता देखने को मिलेगी और कष्टों में कमी आएगी।
- शुक्रवार की रात को काले चने भिगोकर शनिवार कि सुबह यह चने, कच्चा कोयला और लोहे की कील को एक काले कपड़े में बांधकर जल में लगातार कई शनिवार प्रवाहित करने से शनिदेव के दुष्प्रभावों में काफी कमी आती है और शुभ फलों की प्राप्ति होती है।
- जिन व्यक्तियों की कुंडली में शनिदेव काफी कमजोर या खराब स्थिति में बैठे हैं या फिर जिनकी दशा अंतर्दशा ठीक नहीं चल रही है तो ऐसे जातकों को जुआ खेलना, सट्टा लगाना, शराब आदि नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहना चाहिए क्योंकि, ऐसे कार्यों से शनि देव कुपित होकर अपना दुष्प्रभाव उस जातक के ऊपर डालते हैं।
- जातक को शनि की महादशा, साढ़ेसाती या ढैय्या के दुष्प्रभावों से छुटकारा पाने के लिए शनिवार के दिन पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का चौमुखा दीपक जलाना चाहिए साथ ही पीपल के पेड़ की 3 या 7 परिक्रमा करनी चाहिए।
- शनिवार को शनि स्तोत्र का पाठ करें, ॐ प्रां. प्रीं. प्रौ. स: शनैश्चराय नम:और ॐ शं शनैश्चराय नम: इन दोनों मंत्रों में से किसी एक मंत्र का यथाशक्ति जाप करें और नियमित रूप से कौए को अनाज खिलाएं। इससे शनिदेव की अनुकूल कृपा की प्राप्ति होगी।
- शनिवार को काले कुत्ते को सरसों के तेल लगी हुई रोटी खिलाने और जल में काले उड़द व कच्चे कोयले को जल में प्रवाहित करने पर भी आपको अपने कार्यो में सफलता मिलेगी साथ ही आपकी आय में भी वृद्धि होगी।
- शनिवार को छाया दान का विशेष महत्व होता है। इस दिन कासे या लोहे की कटोरी में सरसों का तेल लेकर इसमें अपना चेहरा देखने के बाद इस तेल को शनि मंदिर में दान कर दें। ऐसा लगातार कुछ शनिवार तक करने से शनि से जुड़ी हुई समस्याएं काफी हद तक दूर होने लग जाती है।
- यदि आप शनिदेव की साढ़ेसाती या ढैया के कष्टों से परेशान है तो आपको, शनिवार के दिन जरूरतमंद व्यक्ति को काले चप्पल या जूते दान करने चाहिए। इसी प्रकार से शनिवार के दिन काले जूते या चप्पल पहन कर किसी भी हनुमान मंदिर में जाएं और वे जूता, चप्पल वहीं छोड़ कर वापस आ जाएं। ऐसा करने से भी शनि के कष्टों में काफी राहत मिलेगी।
- जीवन में आए कष्टों को दूर करने के लिए शनिवार के दिन 1 किलो सप्त धान, आधा किलो काले तिल, आधा किलो काला चना, कुछ लोहे के कील और एक कांच की शीशी में सरसों का तेल भरकर इन सभी वस्तुओं को एक नीले कपड़े में बांधकर एक पोटली बना लें और शनिदेव से अपने कष्टों को दूर करने की प्रार्थना करते हुए इस पोटली को किसी भी शनि मंदिर में दान कर दें। कुछ शनिवार लगातार ऐसा करने पर निश्चित ही आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी।
- शाम को अपने घर में गूगल की धूप और लोबान जलाएं, लोबान शनिदेव को विशेष प्रिय है और इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा भी दूर होती है।
- प्रत्येक शनिवार व मंगलवार को हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करने और हनुमान जी को गुड़ व चने का भोग लगाने से भी शनि देव की कृपा प्राप्ति होती है।

- शनिवार को सवा किलो सरसों का तेल किसी मिट्टी के कुल्हड़ में भरकर और उस पर काला कपड़ा बांधकर किसी को दान कर दें या किसी नदी के किनारे भूमि में दवा दें। ऐसा करने से भी शनिदेव के दुष्प्रभाव में कमी आती है।
- शनिवार को भगवान भैरव की उपासना करें और ॐ भैरवाय नमः इस मंत्र का जाप करें। इससे भी आपके कष्टों में काफी कमी देखने को मिलेगी।
- यदि कोई जातक शनि की ढैय्या या साढ़ेसाती से परेशान है तो उसको अपने घर में हस्तनिर्मित शनि का यंत्र शनि साढ़ेसाती वैदिक यंत्र स्थापित करके शनि के मंत्रों का जाप करना चाहिए। ऐसा करने से शनि की शुभता प्राप्त होगी।
- शनिवार को चमड़े की वस्तुएं, तवा, चिमटे आदि का और सरसों के तेल में लोहे की कील डालकर शनि मंदिर में दान करना भी शुभ माना जाता है।
- चीटियों को बूरा मिला हुआ आटा डालने पर भी शनिदेव की कृपा के साथ ही व्यक्ति को अपने कार्यो में भी सिद्धि की प्राप्ति होती है।
- शनि के कारण जीवन में परेशानी हो रही हो तो जातक को शनिवार के दिन श्मशान घाट या नदी के किनारे पीपल का पेड़ लगाना चाहिए।
- जातक को शनि की साढ़ेसाती से राहत पाने के लिए शनिवार को पीपल के पेड़ के चारों और शनिदेव के मंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः का जाप करते हुए 7 बार कच्चा सूत लपेट देना चाहिए। इस उपाय से कुंडली में शनि ग्रह को मजबूती मिलती है साथ ही शनिदेव की साढ़ेसाती का दुष्प्रभाव भी कम होने लग जाता है।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
Mob.:8058169959

विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित

संकलनकर्ता **मनीष कुमावत**, सांगानेर

क्र. सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान/ लेवल	अधिकतम आयु	योग्यता	अंतिम तिथि	वेबसाईट का पता
1	राजस्थान स्वास्थ्य परिवार कल्याण संस्थान, जयपुर, राजस्थान	आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता	1155	लेवल–4	40	10 वीं	02 मार्च 2023	https://sihfwanm.eshiksa.net/register
2	राजस्थान स्वास्थ्य परिवार कल्याण संस्थान, जयपुर, राजस्थान	सहायक रेडियोग्राफ्रर	1015	लेवल–6	40	संबंधित विषय में 12वीं	02 मार्च 2023	https://sihfwanm.eshiksa.net/register
3	राजस्थान स्वास्थ्य परिवार कल्याण संस्थान, जयपुर, राजस्थान	लैब तकनिशियन	1044	लेवल–6	40	संबंधित विषय में 12वीं	02 मार्च 2023	https://sihfwanm.eshiksa.net/register
4	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान	शिक्षक सहायक लेवल–1	7140	लेवल– 6	32	बी.एड.	01 मार्च 2023	https://recruitment.rajasthan.gov.in/candipostdetailsservlet
5	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान	शिक्षक सहायक अंग्रेजी लेवल–2	1286	लेवल– 5	32	बी.एड.	01 मार्च 2023	https://recruitment.rajasthan.gov.in/candipostdetailsservlet
6	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान	शिक्षक सहायक अंकगणित लेवल–3	1286	लेवल– 4	32	बी.एड.	01 मार्च 2023	https://recruitment.rajasthan.gov.in/candipostdetailsservlet
7	आयकर विभाग, बैंगलूरू	इक्सपेक्टर	08	लेवल– 6	30	संबंधित स्नात्तकोत्तर	24 मार्च 2023	https://img.freejobalert.com/uploads/2023/02/Notification-Incometax-Various-Vacancy-Posts.pdf
8	आयकर विभाग, बैंगलूरू	कर सहायक	83	लेवल– 4	30	स्नात्तकोत्तर	24 मार्च 2023	https://img.freejobalert.com/uploads/2023/02/Notification-Incometax-Various-Vacancy-Posts.pdf
9	आयकर विभाग, बैंगलूरू	एम टी एस	64	लेवल– 3	30	स्नात्तकोत्तर	24 मार्च 2023	https://img.freejobalert.com/uploads/2023/02/Notification-Incometax-Various-Vacancy-Posts.pdf
	कुल रिक्तियाँ		**13081**					

नोट : केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य

विशिष्ट संरक्षक

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकशे कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

17 जनवरी श्री आदेश कुमार राज (दौराया) लालकोठी योजना, जयपुर
17 जनवरी श्री चन्दालाल कुदीवाल, कुमावत कॉलेनी, झोटवाड़ा, जयपुर
18 जनवरी श्रीमती सावित्री देवी धर्मपत्नी स्व. श्री पूनम चन्द जालवाल, ब्यावर
18 जनवरी श्रीमती माया देवी धर्मपत्नी डॉ. स्व. श्री नारायण वर्मा, थली, आंधी, जयपुर
18 जनवरी श्री मोती लाल जी जालवाल, स्वेज फार्म, जयपुर
18 जनवरी श्रीमती मीना देवी धर्मपत्नी श्री मिश्रीलाल बालोदिया, टोंक फाटक, जयपुर
19 जनवरी श्रीमती पुष्पा धर्मपत्नी श्री रमेश दम्बीवाल कुमवत कॉलोनी, ब्यावर, अजमेर
19 जनवरी श्री प्यारेलाल नरानिया, पंच देवता, चित्तौड़गढ़
19 जनवरी श्री भंवरलाल ब्याड़वाल, जे.पी. कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर
21 जनवरी श्रीमती गुड्डी देवी धर्मपत्नी श्री मूलचन्द भौरोदिया, पवालिया, सांगानेर, जयपुर
22 जनवरी श्री प्रहलाद मोरवाल पुत्र श्री कैलाश मोरवाल, निम्बाहेडा, चित्तौड़गढ़
22 जनवरी श्रीमती मूल देवी धर्मपत्नी श्री राम प्रकाश बबेरीवाल, हाथोज, जयपुर
22 जनवरी श्रीमती केसर देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नारायण कुमार जालवाल, पानीपेच, जयपुर
23 जनवरी श्रीमती फूलीदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री गोपाल लाल धुंधारिया, नीदड़, जयपुर
24 जनवरी श्री रमेश किरोड़ीवाल, देलवाड़ा रोड, ब्यावर, अजमेर
24 जनवरी श्री राम स्वरूप सिरस्वा, शिवाजी नगर, मदनगंज-किशनगढ़ अजमेर
25 जनवरी श्रीमती सुशीला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मोहन लाल घोड़ेला, मदनगंज-किशनगढ़
26 जनवरी श्री उदय शंकर घोडेला, शास्त्रीनगर, जयपुर
26 जनवरी श्री संजय कुमावत, हरनाथपुरा, झोटवाड़ा, जयपुर
27 जनवरी श्रीमती दाखी देवी भातरा, नीमच माता स्कीम, देवाली, उदयपुर
29 जनवरी श्रीमती मोहिनी देवी बबेरीवाल, 12 RMV स्कूल रोड, उदयपुर
2 फरवरी श्रीमती उषा कुमावत पत्नी स्व. शिवराज किरोडिवाल, क्रिश्चियनगंज, अजमेर
5 फरवरी श्रीमती मोहिनी देवी ऊंटवाल, नागरवाड़ी, उदयपुर
5 फरवरी श्री जगदीश प्रसाद कुमावत (आसीवाल) कुमावतों की ढाणी, देवगुढ़ा (जालसू)
5 फरवरी श्री लाल चन्द जालवाल, खातीपुरा, झोटवाड़ा
11 फरवरी श्री मैनपाल जलंधरा, गांव संघर तहसील सूरतगढ़
14 फरवरी श्रीमती कान्ता देवी आसीवाल, बनीपार्क जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
राहुल	B.A. ITI	K.P.Auto motors	6.7.95	-	ब्याड़वाल	दम्बीवाल	राजोरी	कुदीवाल	9309394645	जयपुर
ललित	B.A., MCA	Builder	10.2.97	5'8''	देवतवाल	कारगवाल	जलान्दरा	खण्डेरिया	9784596679	जयपुर
उमेश	ITI	Pvt.	14.2.200	5'11''	मारवाल	आईथान	माचीवाल	कुण्डलवाल	9950141447	रींगस
कैलाश	M.A., B.Ed.	Govt. Teacher	15.3.89	5'5''	दम्बीवाल	घोड़ेला	तूंदवाल	कुदाल	9785640788	फुलेरा
हेमराज	M.Com.	Pvt. Job.	30.11.96	5'8''	नीमीवाल	मारोठिया	मारवाल	बालोदिया	9782870798	जयपुर
निहाल	M.Com. (EAFM)	Pvt. Job	1.3.97	5'4''	रिवारिया	कारगवाल	खोरानिया	देवतवाल	8107337299	जयपुर
अनिरूद्ध	B.Sc.	Pvt. Ltd. Job	28.6.95	5'11''	सारड़ीवाल	केलगुरिया	दम्बीवाल	कुण्डलवाल	9001225044	जयपुर
राहुल	B.Tech.(EC)	Soft. Engi.	7.9.96	5'5''	दम्बीवाल	बबेरीवाल	अजमेरा	बालोदिया	9414537372	जयपुर
नितिन	B.A., LLB	Advocate	6.1.97	5'8''	देवरथ	गढ़वाल	होदकास्या	खोवाल	7219912409	निवाई
अभय	B.A., RS-CIT	Pvt. Job.	12.9.92	5'7''	मारवाल	भोडीवाल	मारोठिया	किरोड़ीवाल	8769072611	झुंझुनूं
डॉ. अनिल	MBBS	-	28.10.96	5'8''	देवतवाल	कारगवाल	उज्जीवाल	जलांधरा	7737436044	कुचामनसिटी
अक्षय	M.Com., MBA.	Asst. Manager (AUbank)	20.8.94	5'8''	रेवाडिया	सिरस्वा	खोवाल	मामोडिया	9001240928	चौमूं
योगेश	M. Com.	Accountant Export comp.	4.6.93	-	मारवाल	जायलवाल	खरकटा	मारोठिया	9829813152	जयपुर
मोहित	B.Com. (EAFM)	PVT Job	28.5.94	5'10''	बधानिया	भौरोदिया	बैरा	मारवाल	9351647297	जयपुर
पवन	M.Com.	Accountant	17.3.95	5'8''	खोरानिया	खटोड	जलांधरा	किरोड़ीवाल	9829528566	नागालैण्ड
विकास	M.B.A.	Sales Manager	9.7.97	5'6''	मारवाल	तूंदवाल	घोड़ेला	मारोठिया	9782285020	जयपुर
डॉ. गौरव	B.Tech. M.E.PhD	Assit proff. Bansthali Vidhya.	3.2.91	5'8''	बालोदिया	खोवाल	भोरोदिया	कुदाल	9460873449	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
डॉ. आकांक्षा	MBBS, MS(F.Y.)	Zanana Hospital	30.10.93	5'3''	बालोदिया	धुंधारिया	बधानिया	बबेरीवाल	9887811104	जयपुर
अंजली	M.Com. MBA.	-	26.12.95	5'7''	सोकिल	लुहानिवाला	खरोसिया	घोड़ीला	8003835004	जयपुर
हिमांशी(तलाकशुदा)	B.Com	Makeup Artist	22.5.96	-	मारोठा	राजोरिया	घासोलिया	घोड़ेला	9782808280	भरतपुर
रविना	M.Com. RSCIT	-	12.1.96	5'3''	मारवाल	अनावड़िया	बढ़ानिया	राहोरिया	9887231651	जयपुर
संध्या	M.A. B.Ed.	-	25.9.90	5'3''	मारवाल	भोड़ीवाल	मारोठिया	किरोडीवाल	8769072611	झुंझुनूं
अनुभा	M.Com	-	25.3.93	5'3''	बालोदिया	बबेरीवाल	अजमेरा	कारगवाल	9414250972	जयपुर
डॉ. मिताली	MBBS	Saket Hospital	12.6.97	5'4''	सिरोहिया	बालोदिया	बासनीवाल	मामोड़िया	9314538631	जयपुर
रिद्धीका	M.Com.	Assti. in LIC	23.11.95	5'0''	घोड़ेला	केकट्या	बेवाल	कुसुम्बीवाल	9829675865	–
सुष्मिता	M.Com.	Pvt. Surat	14.8.95	5'2''	भोड़ीवाल	कुलचानिया	कोलगरिया	खोवाल	9909888842	सीकर, सूरत
सुनीता	B.A.	Beauty Parlor	5.7.98	5'3''	बेडवाल	भूरोदिया	साल्डीवाल	पिपलोदा	9660427775	नागौर
जान्ह्वी	M.Com. Web Design	PHP Devloper	21.1.96	5'3''	बड़ीवाल	राहोरिया	मारवाल	गुड़ीवाल	9799414150	जयपुर
दिव्या	B.Tech	-	29.6.91	5'3''	भौरोदिया	छाबल्या	खोवाल	खाटूवाल	8947992776	जयपुर
निमिशा	M.Sc (Chem.)		7.8.95	5'4''	मारवाल	टाक	कोलगरिया	रवाना	9413077200	चूरू
पूजा	M.A.	-	अक्टूबर 96	5'5''	सिरोहिया	दम्बीवाल	छापोला	कारगवाल	9928146371	गुढ़ा बैरसल
भारती	LLB	-	14.3.96	5'2''	मारोठिया	पीपलोदा	घोड़ेला	जलान्दरा	9784074572	मदनगंज
मीना	M.A., B.Ed.	-	28.4.87	5'1''	जलान्दरा	धमेरिया	मोरवाल	किरोड़ीवाल	8003133837	कोटा
माधवी	B.Sc., B.Ed,	-	1.7.2000	5'1''	भोरोदिया	जाकड़ा	बब्रीया	अनावड़ा	9414736222	प्रतापगढ़
निहारिका	B.Sc.	-	26.8.2001	5'0''	वरी	बागड़ी	मनसीवर	मारवाल	9929026139	उदयपुर
पायलराज	M.Sc. (maths)	-	24.9.1994	5'6''	मारोठिया	नेवाल	बबेरीवाल	देवतवाल	9460570001	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-ः विशेष निवेदन ः-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

बाल निवास जयपुर में मनाया गया गणतंत्र दिवस

श्री बाल निवास ट्रस्ट जयपुर के तत्वावधान में गणतन्त्र दिवस एवं बसंत पंचमी समारोह कल्याणजी का रास्ता, इंदिरा बाजार, जयपुर स्थित बाल निवास भवन में उत्साहपूर्वक 26 जनवरी, 2023 को मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रमेशचंद कुमावत (गैदर) सेवानिवृत्त उपायुक्त राज्य कर (वाणिज्य कर विभाग) जो मालवीय नगर समाज विकास समिति, जयपुर एवं 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका के अध्यक्ष है द्वारा झण्डारोहण किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन अपरिहार्य कारण से वे नहीं आ पाये। उनके स्थान पर **'कुमावत इंडिया' पत्रिका के कोषाध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, सेवानिवृत्त वरिष्ठ शासन उप सचिव, शासन सचिवालय द्वारा झण्डारोहण किया गया।** इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी श्री रामप्रसाद घोड़ेला, मंत्री डॉ. जयनारायण जूनवाल, सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया, श्री विमल कुमावत पूर्व महापौर एवं **'कुमावत इण्डिया'** पत्रिका के जयसिंह गुड़ीवाल, खेमचन्द खड़गटा, चेतन बालोदिया के अतिरिक्त समाज की संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं मातृशक्ति के साथ में बड़ी संख्या में महिला मण्डल सदस्याएं उपस्थित थी।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरुपुर, तमिलनाडु में आयोजित कार्यक्रम में IAS पल्लवी वर्मा (कुमावत)

बसंत ऋतु की बहार,
चली पिचकारी उड़ा है गुलाल,
रंग बरसे नीले हरे लाल,
मुबारक हो आपको होली का त्योहार

अनाथ आश्रम में मोहनलाल कुमावत द्वारा झंडारोहण

दीपामोहन वैलफेयर ट्रस्ट जयपुर द्वारा संचालित अनाथ बच्चों का आश्रम भवन चंदलाई रोड, शिवदासपुरा, जयपुर में गणतंत्र दिवस 2023 मनाया गया। ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष मोहनलाल कुमावत ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर अध्ययनरत 20 बालिकाओं को स्टेशनरी वितरित की गई।

वैवाहिक

हर्षित कुमावत

जन्म तिथि : 13 मार्च, 1990
जन्म स्थान : इंदौर जन्म समय : 11:30 A.M.
ऊंचाई : 6' कलर : फेयर
शिक्षा : बी. टैक (E.C.E.), इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा
जॉब : Founder at Rare Weave (Men's fashion brand)
रूचि : फोटोग्राफी, ट्रेवलिंग, डिजाइनिंग, पेंटिंग तथा कूकिंग।
पिता : श्री हरी किशन कुमावत, राजपत्रित अधिकारी, राजस्थान
माता : श्रीमती पुष्पा कुमावत, गृहणी
भाई : हिमांशु कुमावत (विवाहित), टॉयर शोरूम एवं वर्कशॉप
गौत्र : स्वयं : आसीवाल माँ : मारोठिया
दादी : बैरा नानी : बगरानिया

आसीवाल भवन, जमना कॉलोनी, तीन दुकान, सीकर रोड, जयपुर (राज.) मो. 9414446574, 8000100424

दांतारामगढ़ के पत्रकार सुरेश कुमावत नेमीवाल उपखंड स्तर पर सम्मानित

दैनिक राष्ट्रीय जजमेंट व **सच्ची रिपोर्ट चैनल** के पत्रकार सुरेश कुमावत नेमीवाल को दांतारामगढ़ में उपखंड स्तरीय 74 वें गणतंत्र दिवस समारोह में उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। नेमीवाल ने पत्रकारिता के क्षेत्र में सामाजिक सरोकार व जनसमस्याओं से संबंधित खबरे प्रसारित करने व समाजसेवा में महत्वपूर्ण योगदान देने एवं उत्कृष्ठ पत्रकारिता के कारण सम्मानित किया गया है। एक पत्रकार को सम्मान मिलने पर दांतारामगढ़ पत्रकार समिति के अध्यक्ष प्रदीप सैनी एवं पदाधिकारियों, पत्रकारों, जनप्रतिनिधि, आदि ने बधाई दी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

जीतू कुमावत साँवेर नगर कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त

मध्यप्रदेश कांग्रेस के द्वारा श्री जीतु जी कुमावत को साँवेर नगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इनके इस पद मनोनीत होने पर पार्षद सूर्यकुमार ओस्तवाल, घनश्याम ओस्तवाल, पूर्व पार्षद सन्तोष मंदनिया, सुनील ओस्तवाल, अतुल लाड़ना सहित कुमावत समाज के वरिष्ठजनों द्वारा मिठाई खिलाकर मुँह मीठा कराते हुए बधाई दी व इनके उज्वल भविष्य की कामना की।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से जीतु जी कुमावत को हार्दिक बधाई।

कैलाश घोड़ावड़ की तत्परता को सलाम

अपनी कार्यकुशलता से समाज मे अलग पहचान बनाने वाले समाजसेवी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं भामाशाह, गुजरात युवा प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री कैलाश गोड़ावड़ (कुमावत) ने एक बार फिर अपनी तत्परता दिखाते हुए लिफ्ट के गिरने से घायल हुए समाज बंधुओं को सूचना मिलने पर तुरंत अस्पताल पहुंचाया तथा जल्द से जल्द उपचार मुहैया करवाया।

इनके द्वारा किए गए इस उत्कृष्ट कार्य की चहुँओर प्रशंसा हुई है।

कुमावत युवा समिति ने उप स्वास्थ्य केंद्र, बलूंदा में डॉ.भूपेंद्र कुमावत का स्वागत किया

डा.भूपेंद्र कुमावत ने एमबीबीएस की पढ़ाई कर प्रथम बार बलूंदा के उप स्वास्थ्य केंद्र में कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर कुमावत युवा समिति ने उन्हे माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर सचिव कमल कुमावत, नित्यानंद , जबर चंद, रमेश कुमावत, धन्नाराम पटेल, व. अ. भागूराम रोइवाल, तखतराज, भारतीय जीवन बीमा के सलाहकार घनश्याम कुमावत, सहित गांव के समाजबंधु समाजसेवी सुगनाराम, पेमाराम, ओगड़राम, मदनलाल, ताराचंद आदि उपस्थित रहे।

अध्यापिका विमला ने स्कूल में ट्यूबवेल खुदवाया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पदमपुरा ब्लॉक अजमेर ग्रामीण में पेयजल समस्या थी। इस समस्या निदान के लिए अध्यापिका विमला कुमावत ने 1,07,000 रुपए की मदद कर विद्यालय परिसर में ट्यूबवेल खुदवाया। इस अनुकरणीय कार्य के लिए अध्यापिका विमला कुमावत की जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

प्रह्लाद चंचल वार्षिक समारोह उप-समिति के सदस्य मनोनीत

राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर की वार्षिक समारोह उप-समिति के सदस्य पद पर श्री प्रह्लाद कुमावत चंचल का मनोनयन हुआ है। आपकी मायड भाषा में कविताएं 'कुमावत इंडिया' पत्रिका सहित अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है।

भन्दे बालाजी में 19वाँ सामूहिक विवाह सम्पन्न

भन्दे बालाजी (जयपुर) में सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित 31 जोडो का 19वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 21 फरवरी, 2023 को आयोजित हुआ। इस अवसर पर कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका के सौजन्य से नि:शुल्क चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन कैलाशी डॉ. भंवरलाल वर्मा घटेलवाल एवं उनकी अनुभवी सहयोगी टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री रामप्रकाश मारवाल, सम्पादक द्वारा '**कुमावत इंडिया**' मासिक पत्रिका वितरित की गई।

सामूहिक विवाह की चित्रमय झलकियां

सरकारी स्कूल में विद्यार्थियों को नोटबुक और स्टेशनरी का वितरण

भामाशाह व दानदाता अब गांवों के सरकारी स्कूलों की ओर भी रूख करने लगे हैं। सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाले डॉ. अमर सिंह व भारती तोंदवाल (शिक्षिका) सचिव कुमावत इंडिया पत्रिका द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, प्रखंड माधोराजपुरा में वर्ष पर्यन्त काम आने वाली नोटबुक व स्टेशनरी वितरित की। विद्यालय परिवार की ओर से तिलक लगाकर व माला पहनाकर डॉ. अमर सिंह व भारती तोंदवाल का स्वागत किया गया। डॉ. अमरसिंह व भारती तोंदवाल द्वारा प्रतिवर्ष जरूरतमंद बच्चों को नोटबुक व स्टेशनरी वितरित की जाती है। पाठ्यसामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर एक अलग ही मुस्कान देखने को मिली।

भारती तोंदवाल व डॉ. अमर सिंह ने कहा कि बच्चों की मुस्कान के लिए हम यथासंभव कार्य करते रहेगें। इस दौरान विद्यालय के टीचर्स ने स्टेशनरी सामग्री उपलब्ध करवाने पर डॉ. अमर सिंह व भारती तोंदवाल की सराहना की व धन्यवाद दिया।

आर्टिस्ट विजय वर्मा को मास्टर अवार्ड

इन्द्र धनुष अन्तरराष्ट्रीय आनलाईन आर्ट कार्निवल 2023 द्वारा आनलाईन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में आर्टिस्ट विजय वर्मा ने भाग लिया था। संस्था ने इन्हे मास्टर अवार्ड से सम्मानित किया है, बधाई।

मुण्डावरा गौशाला को गौकाष्ट मशीन भेंट

हरिनाम संकीर्तन परिवार के तत्वावधान में गौशाला ग्राम मुण्डावरा, थानागाजी, अलवर को श्रद्धालुओं के सहयोग से गौकाष्ट मशीन भेंट की गयी। इस मशीन से प्रतिदिन 300 किलो गौकाष्ट का निर्माण होगा तथा इस प्रकार प्रतिदिन एक वृक्ष बचाया जा सकेगा।

गौकाष्ट मशीन का उद्घाटन : श्रद्धेय श्री मुरली मनोहर अकिंचन जी के कर कमलो द्वारा 20 फरवरी 2023 को मुण्डावरा में हुआ। जयपुर से कार्यक्रम में गो भक्त भी गये जो श्री भर्तहरी जी के दर्शन करते हुए गौशाला पहुंचे। गौकाष्ट मशीन के उद्घाटन के पश्चात भोजन प्रसादी ग्रहण करके तालवृक्ष महादेव दर्शन किए।

इस समारोह में '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका के रमेश गेदर अध्यक्ष तथा सी एम कुमावत ट्रस्टी को भी सम्मलित होने का सौभाग्य मिला।

कर्तव्य पथ पर मनाया 74वाँ गणतंत्र दिवस

74वें गणतंत्र दिवस पर सेनाओं ने स्वदेशी शौर्य का प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कर्तव्य पथ पर तिरंगा फहराया, उसके बाद परेड की सलामी ली। इस बार परेड में 23 झांकियां निकाली गईं। सेना के शौर्य के प्रतीक राफेल की गर्जना भी गणतंत्र दिवस का अहम् हिस्सा रही। गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी थे।

परेड की वो बातें, जिन पर हमें गर्व है-

- पहली बार स्वदेशी तोपों ने सलामी दी।
- कर्तव्य पथ पर ब्रह्मोस मिसाइल का प्रदर्शन।
- एयर डिफेंस मिसाइल रेजिमेंट की ओर से आकाश वेपन सिस्टम को लेफ्टिनेंट चेतना शर्मा ने लीड किया।
- लेफ्टिनेंट डिंपल भाटी आर्मी डेयरडेविल्स मोटरसाइकिल टीम में थी।
- नौसेना की टुकड़ी का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कमांडर दिशा अमृत ने किया।
- सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की टुकड़ी में सिर्फ महिलाएं थीं।
- BSF की ऊंटों की टुकड़ी में महिला अफसर को शामिल किया गया।
- 3 महिला और 6 पुरुष अग्निवीर पहली बार कर्तव्य पथ पर थे।
- मिस्र की सैन्य टुकड़ी भी परेड का हिस्सा बनी।
- दिल्ली पुलिस का महिला पाइप बैंड शामिल हुआ।

कर्तव्य पथ पर इजिप्ट के राष्ट्रपति अलसीसी की अगुआनी करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

स्व. 22.02.2013

10वीं पुण्यतिथि

22.02.2023

स्व. श्री गुलाबचन्द कारगवाल

स्व. 10.11.2008

15वीं पुण्यतिथि

10.11.2023

स्व. श्रीमती लादी देवी

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :

पुत्र - पुत्रवधु : रूप सिंह - शारदा, उमेशचन्द - उर्मिला

पुत्री - दामाद : विमला - विजय मण्डावरा, उमा - सुशील आसीवाल

पौत्री-पौत्री दामाद : डॉ. देवांशी-इंजी. श्री पवन

पौत्र - पौत्री : गर्वित, हर्षिता, मिष्ठी एवं कारगवाल परिवार

:: कार्यालय एवं निवास :: रूपन आर्ट्स जयपुर । दिल्ली । नेपाल

ई-544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर-302015

फोन : 0141-2741727, मो. 9314502407 ,9314502964

स्व. 18.02.2013

10वीं पुण्यतिथि

18.02.2023

स्व. श्रीमती निर्मल अजमेरा

धर्मपत्नी चन्द्रप्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :

पुत्र - पुत्रवधु :

गौरव अजमेरा - मीनू अजमेरा

पुत्री - दामाद : उर्वशी - राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश

पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9829488824

स्व. श्री नाथूलाल जी कुमावत

(स्वर्गवास 25.02.2005)

18वीं पुण्यतिथि 25.02.2023

स्व. श्रीमती केसर देवी कुमावत

(स्वर्गवास 26.08.2014)

19वीं पुण्यतिथि 26.08.2023

हम सब परिवारजन सजल नयनों में सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत पुत्र-पुत्रवधु : रूपचन्द-पार्वती, राम प्रकाश-सुनिता, राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या, सत्यप्रकाश-शकुन्तला, पुत्री-पुत्री दामाद : श्रीमती प्रकाश-स्व. श्री नेकचन्द जी मण्डावरा, श्रीमती विद्या-स्व. श्री प्रहलाद जी मारोठिया, श्रीमती मंजू-कजोड़ जी देवतवाल, पौत्र-पौत्र वधु : महेश-शलिनी, गीतेश-हर्षा, नरेश-डॉ. हेमा, देवेश-योगिता, आशीष-प्रियंका एवं रोहन पाल सिंह, पौत्री-पौत्री दामाद : रेनू-दिलीप जी, सोमा-सुधीर जी, अरुणा (टीना) चन्द्रप्रकाश जी, सोनिया-योगेश जी, मोनिका-चन्द्रशेखर जी रुबिया-विजेन्द्र जी, श्रृष्टि-सुमित जी एवं वापिका सिंह एवं समस्त मारवाल (टींकीवाले) परिवार

433 ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर

स्व. श्री नानूराम जी जलान्दरा

की 10वीं पुण्यतिथि

28 फरवरी 2023

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :

धर्मपत्नी : स्व श्रीमती रामप्यारी देवी

पुत्र - पुत्रवधु : ओमप्रकाश - लक्ष्मी, ताराचन्द - भगवति, मोहन लाल - ऊषा, दामोदर लाल - संतोष, महेश - सुनीता, महेन्द्र - सुनीता, ईश्वर - कृष्णा, प्रभूनारायण - पुष्पा

पुत्री - दामाद : रामरखी - सोहनलाल माचीवाल, सुशीला - रमेशचन्द भौरोंदिया, मीरा - कैलाश चन्द खाटूवाल

पौत्र-पौत्रवधु : जितेन्द्र - हेमा, दीपक - चन्द्रकला, राजेश - विमलेश, प्रमोद - डिम्पल, पंकज - कविशा, संजय - दिव्या, मनोज, विनोद, राहुल, हिमांशु, अनिरूद्ध, मृणाल, यश, तेजस

पौत्री - दामाद : इन्दू - मुकेश धुंधारिया, नीलू - नरेन्द्र बारवाल, दीपिका - नरेश सिरोहिया, अंजली -भानू खोराणिया काजल, टीशा प्रपौत्र/प्रपौत्री : हर्ष, निखिल, सारांश, पूर्विक, डुग्गू, रूह

निवास : 190 ए शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012 • मोबाईल : 9828118789, 9509344684

फर्म : मै. महेशचन्द नानूराम, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर

Happy Holi 2023

Director	Managing Director	Director
Mukesh Kumawat	C.M. Kumawat	Lokesh Kumawat
93146-07695	98290-56063	97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Happy Holi 2023

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

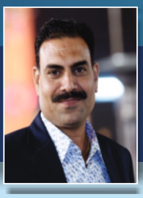

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018